छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

रायपुर

शनिवार 03 अक्टूबर 2026

वर्ष-07, अंक-275

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com

Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

दिल्ली में प्रदूषण रोकने की नई रणनीति, महंगी पार्किंग से कम होगी कारों की रफ्तार या बढ़ेगी जेब की मार



नई दिल्ली। 2023 और 2024 में भी पार्किंग फीस बढ़ाने के फैसले लिए गए। 2025 में खराब हवा के बीच नई दिल्ली इलाके में फीस दोगुनी की गई थी, लेकिन इसके बावजूद पार्किंग स्पेस की ऑक्यूपेंसी में खास कमी नहीं दिखी।सर्दियों की आहट के साथ दिल्ली में पॉल्यूशन की चिंता फिर बढ़ने लगी है। इस बार सरकार ने पार्किंग को भी हथियार बनाया है। 1 नवंबर 2026 से ऑथराइज्ड पार्किंग की फीस दोगुनी कर दी जाएगी। यह व्यवस्था 28 फरवरी 2027 तक लागू रहेगी। दिल्ली मेट्रो की पार्किंग इस नियम से बाहर है। लॉजिक सीधा है—पार्किंग महंगी होगी तो लोग निजी गाड़ी निकालने से पहले सोचेंगे।

मुंबई में सीजेपी का बड़ा विरोध प्रदर्शन, नसीरुद्दीन समेत कई सितारे हुए शामिल



मुंबई। मुंबई के शिवाजी पार्क में सीजेपी के आंदोलन में फिल्म एक्टर नसीरुद्दीन शाह और विशाल भारद्वाज के साथ-साथ शबाना आजमी और संगीतकार विशाल ददलानी जैसी कई दिग्गज फिल्मी हस्तियां मौजूद रही। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए अभिजीत दिपके की अगुवाई में कॉकरोच जनता पार्टी मुंबई के शिवाजी पार्क में प्रदर्शन कर रही है। प्रदर्शन में भारी संख्या में लोग शामिल हुए । मंच पर फिल्म अभिनेता नसीरुद्दीन शाह और ों ने प्रदर्शन में शामिल होकर अपना समर्थन दिया।
भारी भीड़ को देखते हुए शिवाजी पार्क में सुरक्षा के कड़े

'मुख्य चोर भी जेल जाएगा' नंदीग्राम उपचुनाव से पहले सीएम शुभेंदु का बड़ा दावा



मुंबई। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार हसी रानी रथ के समर्थन में नंदीग्राम के बिरुलिया बाजार में एक जनसभा की। जनसभा में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ देखी गई। उनके साथ मुस्लिम समुदाय के लोग भी मौजूद थे। इस अवसर पर सीएम शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि मुख्य चोर भी जेल जाएगा। शुभेंदु अधिकारी ने कहा, मैंने नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों जगहों से चुनाव लड़ा था। इसलिए मुझे एक सीट से इस्तीफा देना पड़ा अगर मैं चाहता तो भवानीपुर से इस्तीफा दे सकता था, लेकिन अगर मैंने भवानीपुर से इस्तीफा दिया होता, तो माननीय मैडम फिर से चुनाव लड़ने की कोशिश करतीं। इसलिए मैंने नंदीग्राम से इस्तीफा दे दिया।

भारतीय हॉकी अंपायर पर यौन शोषण के आरोप



नागोया। एशियन गेम्स 2026 के दौरान भारतीय हॉकी अंपायर गुरिंदर सिंह सांघा पर यौन शोषण के आरोप लगे हैं। मलेशिया की एक महिला हॉकी अधिकारी ने शिकायत की थी कि बातचीत के दौरान सांघा ने उन्हें कई बार गले लगाने की कोशिश की और किस भी किया।सांघा पर यह भी आरोप है कि उन्होंने होटल स्टाफ को आपत्तिजनक वीडियो दिखाए। पुलिस में शिकायत करने की धमकी भी दी।
शिकायत के बाद गुरिंदर जापान से भारत वापस भेज दिया गया है। गुरिंदर को हॉकी फेडरेशन ने गेम्स के लिए अंपायर मैनेजर नियुक्त किया था।

पहली बार पुनर्वासित नक्सलियों को चार महीने बुनाई की ट्रेनिंग

विशेष पिछड़ी जनजाति की 30 महिलाओं ने पहली बार मंच से गाया पूरा वंदेमातर

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

गांधी जयंती पर छत्तीसगढ़ में नक्सल पुनर्वास को रोजगार से जोड़ने की पहल शुरू हुई। दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित प्रदेश स्तरीय खादी सम्मेलन एवं ग्रामोद्योग विकास प्रदर्शनी में पुनर्वासित नक्सलियों को पहली बार बुनाई का प्रशिक्षण देने की शुरुआत की गई। बस्तर, दंतेवाड़ा, कांकेर और कोंडागांव के पुनर्वास केंद्रों में चार महीने का प्रशिक्षण होगा।



इसमें महिला और पुरुष दोनों शामिल होंगे। कुल 80 लोगों को 20-20 के बैच में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका उद्देश्य पुनर्वासित लोगों को बुनाई के जरिए स्वरोजगार से जोड़कर आय का स्थायी जरिया तैयार करना है। प्रशिक्षण में बुनाई से जुड़े तकनीकी कौशल सिखाए जाएंगे, ताकि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद वे इसे रोजगार के रूप में अपना सकें। चार जिलों के पुनर्वास केंद्रों से शुरू हुई यह पहल पुनर्वास नीति को आजीविका से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा एवं ग्रामोद्योग मंत्री गजेन्द्र यादव ने की। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक मोतीलाल साहू और महापौर मीनल चौबे भी मौजूद रहे। छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पांडेय और ग्रामोद्योग विभाग के सचिव राजेश राणा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, बुनकर, कारीगर, उद्यमी और स्व-सहायता समूहों के सदस्य भी शामिल हुए।

अमारी सिल्क के नाम से छत्तीसगढ़ का सिल्क

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के सिल्क को 'अमारी सिल्क' नाम से लॉन्च किया गया। रेशम प्रभाग के अनुसार 'अमारी' का अर्थ अहिंसा है। गांधी जयंती पर सिल्क को अहिंसा से जोड़ते हुए नए ब्रांड के रूप में बाजार में पहचान देने की पहल की गई। साथ ही रायपुर में 'रेशम सेतु' सिल्क एक्सचेंज सेंटर शुरू किया गया। यहां रेशम की खरीद-बिक्री हो सकेगी।

मध्यप्रदेश से आई टीम ने महिलाओं को दो दिन दिया प्रशिक्षण

गांधी जयंती के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में विशेष पिछड़ी जनजाति की 30 महिलाओं ने पहली बार मंच से वंदेमातरम् गाया। जशपुर, कोरबा, सुकमा और बस्तर से पहुंचीं पहाड़ी कोरबा, बिरहोर समेत अन्य जनजाति की महिलाओं ने करीब 3 से 4 मिनट में वंदेमातरम् की संपूर्ण प्रस्तुति दी।

SIR के खिलाफ मुंबई में कॉकरोच पार्टी का प्रदर्शन



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टीआज मुंबई के शिवाजी पार्क में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन कर रही है। इसके लिए लोग मुंबई के शिवाजी पार्क पहुंच रहे हैं। पार्क और आसपास के इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है।प्रदर्शन के दौरान CJP के प्रवक्ता सौरभ दास ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पूरे देश के युवा, युवा पीढ़ी, पिछली बार धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए सब बाहर आए थे और इस बार भी, ज्ञानेश कुमार के साथ ऐसा ही होने वाला है। प्रदर्शन में विशाल भारद्वाज और नसीरुद्दीन शाह जैसे कई कलाकार भी पहुंचे हैं।वहीं, दिल्ली में स्ढ्ढक्र के खिलाफ लेफ्ट्र क्रऔर स्टूडेंट यूनियन ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया। जंतर-मंतर से सौरभ भारद्वाज, आतिशी, संजय सिंह समेत 700 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया।भास्कर से बातचीत के दौरान पार्क में हो रहे प्रदर्शन में पहुंच गए हैं।

ज्ञानेश कुमार पीएम की दुकान चलाने वाला मास्टरमाइंड

प्रदर्शन के दौरान सीजेपी नेता अजिंक्य शिंदे ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें और आपराधिक कार्रवाई का सामना करें। सीजेपी नेता सौरव दास ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर आज हुए प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस ने फिर बर्बरता की, सुधर जाएं, वरना हम सुधार देंगे। विरोध प्रदर्शन के दौरान %कॉकरोच पार्टी% के कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपना कड़ा आक्रोश जताया।सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि पीएम की दुकान जो पिछले इतने सालों से चल रही है।

मोदी से कैप्टन स्मित बोले-घायल था पर हिम्मत नहीं हारी

:विमान गिर रहा था, आखिरी मौका था; हनुमान चालीसा पढ़ते हुए कॉकपिट का दरवाजा खोला

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

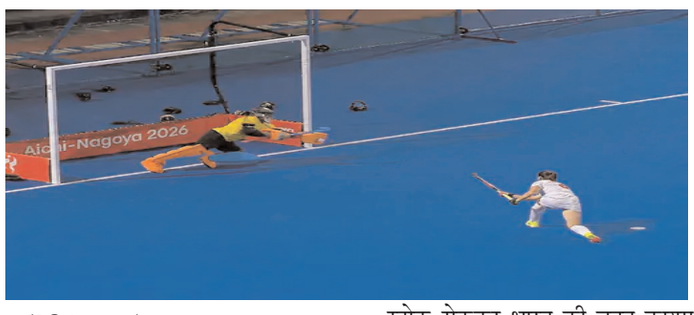
पीएम मोदी पायलट स्मित मच्छर से बातचीत करते हुए। 30 सितंबर को इजराइल जा रहे प्लेन में स्मित ने सूझबूझ दिखाकर 174 लोगों की जान बचाई थी। पीएम मोदी पायलट स्मित मच्छर से बातचीत करते हुए। 30 सितंबर को इजराइल जा रहे प्लेन में स्मित ने सूझबूझ दिखाकर 174 लोगों की जान बचाई थी।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 174 जान



बचाने वाले भारतीय पायलट स्मित मच्छर से करीब 9 मिनट वीडियो कॉल पर बात की। स्मित ने दो दिन पहले दुबई से तेल अवीव जा रहे प्लेन की हाइजैकिंग नाकाम की थी। ओमानी को-पायलट ने उन्हें चाकू मारा। स्मित ने फिर भी प्लेन क्रैश नहीं होने दिया।पूरा देश आपके लिए प्रार्थना कर रहा था और आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना कर रहा था। आपके साहस और सूझबूझ से कई लोगों की जान बची।बातचीत के दौरान स्मित ने बताया कि वह विमान उड़ा रहे थे और एक झटके के बाद नीचे गिर गए, जिससे काफी चोटें आईं। इसके बावजूद उन्हें महसूस हो रहा था कि विमान नीचे जा रहा है।

13वें दिन इंडिया को 6 गोल्ड

भारत को 44 साल बाद एशियाड विमेंस हॉकी का गोल्ड



एजेंसी ➤ नागोया (जापान)

भारतीय विमेंस हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में 44 साल बाद गोल्ड जीत लिया। भारत ने फाइनल में चीन को 1-0 से हराया। टीम के लिए एकमात्र गोल लालरेमसियामी ने किया।शुक्रवार को गोलकीपर सविता पूनिया ने फर्स्ट हाफ में चीन का पेनल्टी स्ट्रोक रोककर भारत की बढ़त कायम रखी। इस जीत के साथ भारत ने लॉस एंजिलिस 2028 ओलिंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया।भारत ने इससे पहले 1982 में साउथ कोरिया को हराकर गोल्ड जीता था। विमेंस हॉकी के गोल्ड के साथ भारत के कुल 16 गोल्ड हो गए हैं और वह मेडल टैली में 5वें नंबर पर है।



यूपी के 14 शहरों में बाढ़, मंदिरों-स्कूलों में भरा पानी-गोंडा में 25 हजार लोग फंसे; बिहार में 3.65 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में बारिश रुकने के बावजूद गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब हैं। उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है। लखनऊ के निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया है। बाराबंकी में स्कूलों और मंदिरों में भी पानी घुस गया है।गोंडा में घाघरा खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर बह रही है। 30 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। 25 हजार से ज्यादा की आबादी बाढ़ में फंसी है। गलियों में नावें चल रही हैं। दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई है।नेपाल से पानी आने और 10 तटबंधों के टूटने से बिहार के 6 जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। 253 गांवों में पानी घुस गया है।

जब किसी ट्रेन ने इस स्पीड से इन दोनों पुलों को पार किया है।

100 किमी की स्पीड से दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल पर दौड़ी वंदे भारत, रचा नया इतिहास

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

जम्मू-श्रीनगर रेल मार्ग पर स्थित चिनाब और अंजी पुलों को 100 किमी/घंटा की रफ्तार से पार कर वंदे भारत ने एक नया इतिहास रच दिया है। इस स्पीड से इन पुलों पर पहले कभी कोई ट्रेन नहीं दौड़ी थी।केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वंदे भारत ट्रेन का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें ट्रेन जम्मू-श्रीनगर रेल मार्ग पर स्थित चिनाब और अंजी पुलों को 100 किमी/घंटा की रफ्तार से पार करती हुई नजर आई। यह पहली बार है जब किसी ट्रेन ने इस स्पीड से इन दोनों पुलों को पार किया है। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। दरअसल, 111 किलोमीटर लंबे श्री माता वैष्णो देवी



कटरा-बनिहाल सेक्शन पर अधिकतम स्पीड सीमा को 75 किलोमीटर प्रति घंटा से बढ़ाकर अब 100 किलोमीटर प्रति घंटा कर दिया गया है।
रेलवे अधिकारी ने बताया कि आज बढ़ी हुई स्पीड का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 26401/26404) ने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब पुल और भारत के पहले केबल-स्टे वाले अंजी पुल को 100 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से पार करके एक नया रिकॉर्ड बनाया। इस सुधार से स्क्रम्र प्रोजेक्ट पर ट्रेन का संचालन आसान होगा, यात्रा का समय कम होगा और यात्रियों को तेज, सुरक्षित और ज्यादा आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा।

न्यूज इन शॉर्ट



संस्कृत विद्यालयों के शिक्षकों को सम्मानजनक मानदेय दिया जाए - प्राच्य संस्कृत विद्यालय संघ

गौरेला, पेंड्रा,मरवाही। प्राच्य संस्कृत विद्यालय संघ छत्तीसगढ़ ने प्रदेश में संस्कृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार के लिए शासन से ठोस पहल की मांग की है। संघ ने कहा है कि संस्कृत भाषाओं में मुख्य और मधुर है और यह भारत की आत्मा है। संघ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, पुराण सहित ज्ञान-विज्ञान और साहित्य की रचना संस्कृत में ही हुई है। छत्तीसगढ़ में संस्कृत पाठशालाओं में विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है और उत्तर मध्यमा तक शिक्षा के बाद विद्यार्थियों को सभी क्षेत्रों में जाने का अवसर मिल रहा है।

संघ की प्रमुख 10 मांगें -

1. गैर अनुदान प्राप्त संस्कृत विद्यालयों के शिक्षकों को सम्मानजनक आर्थिक सहयोग दिया जाए।
2. संस्कृत पाठशालाओं को गुरुकुल के रूप में विकसित करने हेतु आर्थिक सहायता दी जाए।
3. संस्कृत के व्यापक प्रचार-प्रसार की व्यवस्था की जाए।
4. राज्य के सभी महाविद्यालयों में संस्कृत विषय प्रारंभ किया जाए।
5. छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम् की अनुदान राशि में वृद्धि की जाए और विद्यालयों को आर्थिक सहयोग उसी के माध्यम से दिया जाए।
6. संस्कृत को जनभाषा बनाने के लिए संभाषण प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जाए।
7. सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियों में संस्कृत को सहयोग दिया जाए।
8. शासकीय विद्यालयों में पदस्थ संस्कृत अध्यापकों को निरंतर प्रशिक्षण दिया जाए।
9. प्रचार-प्रसार के लिए प्रदेश के संस्कृत विद्वानों से मार्गदर्शन लिया जाए।
10. प्रदेश में नए संस्कृत विद्यालय खोलने के लिए प्रेरक वातावरण बनाया जाए। संघ ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में संस्कृत को सम्मानपूर्ण स्थान दिलाने के लिए सरकार से पर्याप्त आर्थिक सहयोग की अपेक्षा है।



सेवा मेरा योगदान के तहत जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ में चला स्वच्छता अभियान

एमसीबी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर 'सेवा मेरा योगदान' अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री वैशाली सिंह की उपस्थिति में जनपद पंचायत के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए श्रमदान किया। अभियान के दौरान जनपद पंचायत परिसर, कार्यालय के आसपास के क्षेत्रों तथा सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई की गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वयं श्रमदान कर परिसर में जमा कचरे एवं अनावश्यक सामग्री को हटाया तथा आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री वैशाली सिंह ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी विशेष दिवस या अभियान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति की नियमित जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अपने घर, कार्यालय और आसपास के सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखना सामाजिक दायित्व है। सामूहिक प्रयासों और जनभागीदारी से स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर वातावरण का निर्माण किया जा सकता है।

गांधी जयंती पर कलेक्ट्रेट परिसर में गूंजे बापू के प्रिय भजनं कलेक्टर ने महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को किया नमन

गांधी जयंती पर कलेक्ट्रेट परिसर में गूंजे बापू के प्रिय भजन

'रघुपति राघव राजा राम' और 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' की सुमधुर प्रस्तुति ने वातावरण को बनाया भावपूर्ण

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर आज कलेक्ट्रेट परिसर में श्रद्धा एवं गरिमामय वातावरण में भजन और राष्ट्रभक्ति गीतों का गायन किया गया। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के छायाचित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और मानवता के संदेश तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा के आदर्शों का स्मरण किया गया। उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों ने दोनों महान विभूतियों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर जनसेवा और राष्ट्र निर्माण में अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की भावना व्यक्त की। कार्यक्रम में बापू के प्रिय भजन 'रघुपति राघव राजा राम' और 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' सहित राष्ट्रभक्ति गीतों की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। भजन एवं गीतों के गायन-वादन से कलेक्ट्रेट परिसर का वातावरण श्रद्धा, शांति और राष्ट्रभक्ति से सराबोर हो गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे, प्रभारी अपर कलेक्टर श्रीमती आकांक्षा पांडे, एसडीएम पेंड्रारोड श्री विक्रांत अंचल, जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।



कलेक्टर ने नागरिक आपूर्ति निगम के चावल गोदाम का किया निरीक्षण



चावल भंडारण की स्थिति का लिया जायजा, लक्ष्य के अनुरूप चावल जमा कराना सुनिश्चित करने के निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने आज पेंड्रा स्थित नागरिक आपूर्ति निगम के चावल गोदाम का निरीक्षण कर भंडारण व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने गोदाम में उपलब्ध चावल के स्टॉक, लॉट जमा होने की स्थिति सहित भंडारण से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने धान की मिलिंग के बाद मिलर्स द्वारा जमा कराए जा रहे चावल की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिला विपणन अधिकारी को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप चावल जमा कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चावल जमा करने एवं भंडारण की प्रक्रिया व्यवस्थित रूप से संचालित हो तथा निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति समय पर सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गोदाम में कार्यरत हमालों से आत्मीय संवाद भी किया। उन्होंने हमालों से उनके कामकाज, सुविधाओं और समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। इस अवसर पर नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक श्री धनंजय मदनकर एवं जिला विपणन अधिकारी श्री हरीश शर्मा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यार्थी उड़ान योजना के लिए जिला स्तरीय काउंसलिंग 6 अक्टूबर को

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यार्थी उड़ान योजना (पूर्व में मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजातीय विद्यार्थी उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत जिला स्तरीय वर्गवार मेरिट सूची में शामिल विद्यार्थियों की काउंसलिंग आगामी 6 अक्टूबर मंगलवार को आयोजित की जाएगी। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि पूर्व में 14 जुलाई 2026 को आयोजित काउंसलिंग शासन के निर्देशानुसार निरस्त कर दी गई थी। आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा 1 अक्टूबर 2026 को जारी निर्देश के अनुसार अब जिला स्तरीय काउंसलिंग 6 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी।



मेरिट सूची में शामिल विद्यार्थियों को अपने पालक के साथ काउंसलिंग में उपस्थित होना अनिवार्य है। विद्यार्थियों को कक्षा चौथी की अंकसूची, स्थायी जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, कक्षा पांचवीं उत्तीर्ण प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो एवं आधार कार्ड की मूल प्रति के साथ सभी दस्तावेजों की एक सेट छायाप्रति लेकर उपस्थित होना होगा। निर्धारित तिथि पर काउंसलिंग में अनुपस्थित रहने की स्थिति में वरीयता क्रम के अगले विद्यार्थी को अवसर प्रदान किया जाएगा। इस संबंध में बाद में किसी प्रकार का अभ्यावेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अवैध खनिज परिवहन पर कार्रवाई : रेत-पत्थर से भरे 6 वाहन जब्त

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही



जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध खनिज विभाग के उड़नदस्ता दल द्वारा लगातार जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए रेत एवं पत्थर का अवैध परिवहन करते कुल 6 ट्रैक्टर वाहन जब्त किए गए। खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार बस्ती-बगरा क्षेत्र में रेत से भरे 4 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त कर सुरक्षार्थ कोडगार चौकी में रखा गया है। इसी तरह सारबहरा क्षेत्र में पत्थर से भरे एक ट्रैक्टर वाहन तथा अंडी क्षेत्र में रेत से भरे एक ट्रैक्टर वाहन को जब्त कर सुरक्षार्थ अमरपुर पुलिस लाइन में रखा गया है। विभाग द्वारा सभी संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। प्रकरणों में निर्धारित अर्थदंड अथवा समझौता राशि खनिज मद में जमा कराए जाने के बाद नियमानुसार वाहनों को मुक्त करने की कार्रवाई की जाएगी।कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने खनिज विभाग को जिले में अवैध खनिज गतिविधियों पर सतत निगरानी रखते हुए नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण जांच कर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के जन्मदिन पर 105 यूनिट रक्तदान

विधायक प्रतिनिधि राजू नायक और बबलू शर्मा की टीम ने जिला अस्पताल चिरमिरी में लगाया रक्तदान शिविर, सेवा और समर्पण का दिया संदेश

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

स्थानीय विधायक एवं प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के 50वें जन्मदिवस के अवसर पर पूरे क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों एवं स्वागत समारोहों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में विधायक प्रतिनिधि राजू नायक और बबलू शर्मा के नेतृत्व में जिला अस्पताल चिरमिरी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में राजू नायक की टीम के सदस्यों एवं समर्थकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 105 यूनिट रक्तदान किया। आयोजकों के अनुसार, यह क्षेत्र में अब तक आयोजित प्रमुख रक्तदान आयोजनों में से एक रहा। जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित इस रक्तदान कार्यक्रम को टीम ने सेवा और समर्पण से जोड़ते हुए जरूरतमंद मरीजों के लिए अपना योगदान दिया। रक्तदान करने वाले लोगों ने कहा कि किसी व्यक्ति के जन्मदिन को केवल उत्सव के रूप में मनाने के बजाय यदि उसे समाजसेवा से जोड़ा जाए तो यह अवसर और भी सार्थक हो जाता है। इसी भावना के साथ राजू नायक की टीम ने रक्तदान कर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रति अपने सेवा भाव और समर्पण को प्रदर्शित किया।



जरूरतमंद मरीजों के लिए उपयोगी होगा रक्त

रक्तदान से एकत्रित किया गया रक्त दुर्घटना में घायल मरीजों, प्रसव के दौरान रक्त की आवश्यकता वाली महिलाओं, सर्जरी कराने वाले मरीजों तथा विभिन्न गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों के उपचार में उपयोगी होता है। रक्त को उसके विभिन्न घटकों में विभाजित कर आवश्यकता के अनुसार अलग-अलग मरीजों के उपचार में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसे में सामूहिक रक्तदान शिविर अस्पतालों में रक्त की उपलब्धता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जन्मदिन को सेवा के अवसर में बदला

राजू नायक और बबलू शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस रक्तदान कार्यक्रम में 105 यूनिट रक्त का संग्रह इस बात को दर्शाता है कि स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधियों से जुड़े कार्यकर्ता और समर्थक सामाजिक सेवा के कार्यों में भी भागीदारी कर रहे हैं। टीम द्वारा रक्तदान को जन्मदिन समारोह से जोड़कर जरूरतमंद और अनजान मरीजों तक मदद पहुंचाने का प्रयास किया गया। रक्त की जरूरत किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है और ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान किसी के लिए जीवन बचाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। टीम ने इस आयोजन के माध्यम से संदेश दिया कि जनप्रतिनिधि के जन्मदिवस का उत्सव सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ भी मनाया जा सकता है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नवीन महिंद्रा पिकअप वाहन से पीएचई विभाग के मैदानी कार्यों को मिलेगी रफ्तार

डीएमएफ मद से मिला वाहन, दूरस्थ क्षेत्रों में पेयजल योजनाओं के निरीक्षण और रखरखाव में मिलेगी सुविधा

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के मैदानी कार्यों को और अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाने के लिए जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से नवीन महिंद्रा पिकअप वाहन उपलब्ध कराया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, कलेक्टर संतन देवी जांगड़े एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम ने हरी झंडी दिखाकर वाहन को विभागीय कार्यों के लिए रवाना किया। नवीन वाहन का उपयोग जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में संचालित पेयजल योजनाओं के निरीक्षण, संचालन एवं रखरखाव के साथ आवश्यक विभागीय सामग्री के परिवहन में किया जाएगा। वाहन उपलब्ध होने से विभागीय अमले को दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी और पेयजल योजनाओं से संबंधित मैदानी कार्यों को समयबद्ध तरीके से संपादित करने में सहायता मिलेगी।



दूरस्थ क्षेत्रों तक विभागीय पहुंच होगी आसान

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में संचालित पेयजल योजनाओं की नियमित निगरानी, संचालन एवं रखरखाव किया जाता है। पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नियमित रूप से मैदानी क्षेत्रों का भ्रमण कर योजनाओं की स्थिति का जायजा लेना पड़ता है। विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों में स्थल निरीक्षण, आवश्यक सामग्री पहुंचाने तथा मरम्मत एवं रखरखाव संबंधी कार्यों के लिए वाहन की उपलब्धता महत्वपूर्ण होती है। नवीन पिकअप वाहन मिलने से विभागीय अमले की मैदानी गतिशीलता बढ़ेगी और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित क्षेत्रों तक सामग्री एवं उपकरण पहुंचाने में भी सहूलियत होगी।



निरीक्षण के साथ सामग्री परिवहन में भी मिलेगा लाभ

नवीन पिकअप वाहन का उपयोग पेयजल योजनाओं से संबंधित आवश्यक सामग्री एवं उपकरणों को कार्यस्थलों तक पहुंचाने में किया जाएगा। इससे विभागीय अमले को निरीक्षण के साथ रखरखाव एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए सामग्री के परिवहन में सुविधा मिलेगी। वाहन उपलब्ध होने से पेयजल योजनाओं के नियमित निरीक्षण एवं निगरानी को बेहतर बनाने के साथ मैदानी स्तर पर सामने आने वाली आवश्यकताओं पर समयबद्ध ढंग से कार्य करने में सहयोग मिलेगा। इससे विभागीय गतिविधियों के संचालन में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को कम करने में भी मदद मिलेगी।



पेयजल सेवाओं के बेहतर संचालन में मिलेगा सहयोग

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के लिए नवीन वाहन की उपलब्धता से जिले में संचालित पेयजल योजनाओं की निगरानी एवं रखरखाव व्यवस्था को और सुदृढ़ करने में सहयोग मिलेगा। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में विभागीय अमले की पहुंच आसान होने से स्थल निरीक्षण एवं आवश्यक विभागीय कार्यों को अधिक सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की ओर से नवीन वाहन उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रति आभार व्यक्त किया गया।



न्यूज इन शॉर्ट

बेटियों का स्वर्णिम निशाना, रिकर्व तीरंदाजी में रचा इतिहास

रायपुर, । वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 की रिकर्व महिला टीम स्पर्धा में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने पर भारतीय तीरंदाज अंकिता भगत, कुमकुम अनिल मोहोद और कीर्ति को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

श्री चौधरी ने कहा कि भारतीय बेटियों ने अपने सटीक निशाने, अद्भुत एकाग्रता और शानदार टीम वर्क से इतिहास रचते हुए पूरे राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। एशियन गेम्स की रिकर्व महिला टीम स्पर्धा में भारत का पहला स्वर्ण पदक जीतना भारतीय तीरंदाजी के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि तीनों खिलाड़ियों की मेहनत, लगन, अनुशासन और आपसी तालमेल ने इस ऐतिहासिक सफलता की नींव रखी है। अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर तिरंगे का मान बढ़ाने वाला उनका यह शानदार प्रदर्शन लंबे समय तक याद रखा जाएगा और देश की युवा खेल प्रतिभाओं को नई ऊंचाइयां छूने के लिए प्रेरित करेगा। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अंकिता भगत, कुमकुम अनिल मोहोद और कीर्ति के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में भी देश के लिए नई उपलब्धियां हासिल करने की शुभकामनाएं दीं।



प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से सुरेश कुमार जायसवाल की खेती को मिला आर्थिक संबल

एमसीबी खेती में समय पर खाद, बीज और अन्य जरूरी सामग्री की उपलब्धता किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है। इन आवश्यकताओं को पूरा करने में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए आर्थिक सहयोग का माध्यम बन रही है। सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के तहत सामने आई ग्राम भल्लौर निवासी किसान सुरेश कुमार जायसवाल की कहानी भी योजना से खेती-किसानी को मिल रहे इसी संबल को दर्शाती है। सुरेश कुमार जायसवाल खेती के माध्यम से अपने परिवार की आजीविका को आगे बढ़ा रहे हैं। कृषि कार्य के दौरान खाद, बीज एवं अन्य जरूरी सामग्री की खरीदी के लिए समय-समय पर राशि की आवश्यकता होती है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता का उपयोग वे खेती से जुड़ी इन्हीं आवश्यकताओं को पूरा करने में करते हैं। हर साल मिलती है 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता तीन समान किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जाती है। यह सहायता किसानों को कृषि संबंधी जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक सहयोग प्रदान करती है। सुरेश कुमार जायसवाल बताते हैं कि योजना के तहत मिलने वाली राशि उनके लिए खेती के समय उपयोगी साबित होती है। इस राशि से वे खाद, बीज एवं खेती-किसानी से जुड़ी अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था करते हैं। इससे कृषि कार्यों के दौरान होने वाले छोटे-बड़े खर्चों को पूरा करने में उन्हें मदद मिलती है। समय पर मिलने वाली सहायता से खेती की जरूरतें पूरी करना हुआ आसान

सुरेश कुमार जायसवाल बताते हैं कि खेती में कई कार्य निर्धारित समय पर पूरे करने होते हैं। फसल की बुवाई से लेकर उसकी देखभाल तक विभिन्न चरणों में जरूरी कृषि सामग्री की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे समय में किसान सम्मान निधि के रूप में मिलने वाली राशि खेती की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक बनती है। योजना से मिलने वाली सहायता का उपयोग सीधे कृषि कार्यों में करने से खाद-बीज जैसी जरूरी सामग्री की व्यवस्था करने में उन्हें सुविधा मिल रही है। इससे सीमित संसाधनों के बीच खेती को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने में आर्थिक सहयोग मिल रहा है। योजना से मिले सहयोग पर जताया आभार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से मिल रही आर्थिक सहायता के लिए सुरेश कुमार जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

नमो ड्रोन दीदी योजना से हो रही किसानों के पैसे एवं समय की

सेवा की कहानी : नमो ड्रोन दीदी योजना से हो रही किसानों के पैसे एवं समय की बचत

संवाददाता ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सरकार द्वारा स्व-सहायता समूह की महिलाओं को कृषि सेवाएँ प्रदान करने के लिए ड्रोन तकनीक से लैस करके उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से नमो ड्रोन दीदी योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत महिलाओं को ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण देकर कृषि में ड्रोन का इस्तेमाल करने में सक्षम बनाया जा रहा है। योजनांतर्गत चयनित महिला या समूह को ड्रोन और सहायक उपकरण दिए जाते हैं। साथ ही ड्रोन से जुड़े खर्चों को कम करने के लिए वित्तीय सहायता भी दी जाती है।

मुंगेली जिले की नगर पंचायत सरगांव की नमो ड्रोन दीदी गोदावरी साहू ने बताया कि वे बिहान अंतर्गत जय माता दी महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य हैं। नमो ड्रोन योजना अंतर्गत इफको के माध्यम उन्हें ग्वालियर में 15 दिन का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें थ्योरी व प्रेक्टिकल के साथ ग्राउंड लेवल पर ड्रोन को चलाने के संबंध में जानकारी दी गई। इसके बाद फूलपूर में 05 दिवसीय ड्रोन तकनीक के



संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। वह अब ड्रोन के माध्यम से किसानों के खेतों में नैनो यूरिया, नैनो डीएपी और कीटनाशक का छिड़काव करती हैं। इससे किसानों के पैसे और समय की बचत हो रही है। इसके साथ ड्रोन से वायु प्रदूषण भी नहीं होता। उन्होंने बताया कि ड्रोन के माध्यम से एक ही दिन में 20 से 25 एकड़ खेत में कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव हो जाता है, जिससे किसानों द्वारा श्रमिकों को देने वाले पैसे की बचत तो हो ही रही है। साथ ही किसानों का समय भी बच रहा है।

वहीं ग्राम के किसान ने बताया कि पहले कृषि यंत्र स्प्रेयर के माध्यम से अपने गन्ने की फसल में दवाई का छिड़काव करते थे। जहां गन्ने की फसल की ऊंचाई ज्यादा होने से उन्हें फसल के बीच जाकर दवाई छिड़काव करने में काफी समय लगता था और समस्याएं भी काफी बनी रहती थी। लेकिन अब उन्हें कम समय व कम खर्च में ही अपने फसलों में कीटनाशक दवाई के छिड़काव के लिए एक अच्छा मददगार ड्रोन दीदी के रूप में मिल गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा किसानों के हित में काफी अच्छी योजनाएं संचालित की जा रही है। इसके लिए उसने खुशी-खुशी शासन को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है।

सेवा संकल्प अभियान : कोहकामेटा में शिक्षकों का अनूठा नवाचार

संवाददाता ➤ रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के तहत संचालित 'नमो सेवा - अनकही कहानियाँ' कार्यक्रम के अंतर्गत नारायणपुर जिले के सुदूर क्षेत्र कोहकामेटा में शिक्षकों ने एक अनुकरणीय पहल की है। शिक्षकों ने मंच पर उतरकर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं के प्रति जागरूक किया।

शिक्षकों ने अपने प्रभावशाली अभिनय, सहज-सरल संवादों और रचनात्मक प्रस्तुति से योजनाओं के उद्देश्य, पात्रता एवं उनसे मिलने वाले लाभों की जानकारी ग्रामीणों तक पहुँचाई। नाटक के जरिए स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी प्रमुख योजनाओं को प्रमुखता से रेखांकित किया गया। इसके साथ ही, जिले को



नक्सलमुक्त बनाने के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही पहलों का भी सकारात्मक संदेश दिया गया।

कलाकार बने शिक्षकों ने स्वच्छता, शुद्ध पेयजल, पक्के मकान, कृषि विकास एवं ग्रामीण सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए आह्वान किया कि योजनाओं की जानकारी हर घर तक पहुँचे, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इनके लाभ से वंचित न रहे।

इस रचनात्मक पहल ने न केवल शिक्षकों की कलात्मक प्रतिभा को एक बड़ा मंच दिया, बल्कि उन्हें सीधे जनसेवा और सामाजिक बदलाव की मुहीम से भी जोड़ा। नाटक की जीवंत प्रस्तुति ने ग्रामीणों को गहराई से प्रभावित किया और उनमें योजनाओं के प्रति जनभागीदारी की भावना को जगाया। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष,उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत ओरछा के उपाध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य सहित क्षेत्र के अनेक सरपंच और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जांजगीर- चाम्पा जिले के शिवरीनारायण-खैरताल मार्ग के मजबूतीकरण के लिए 22 करोड़ 8 लाख 59 हजार रुपये की शासकीय स्वीकृति

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों को मिली बड़ी सौगात, लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग हुई पूरी

11.70 किलोमीटर मार्ग के मजबूतीकरण एवं पुल- पुलिया निर्माण से क्षेत्र में आवागमन होगा सुगम

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा जांजगीर- चाम्पा जिले के शिवरीनारायण- खैरताल मार्ग के मजबूतीकरण कार्य की बड़ी सौगात दिया है स शिवरीनारायण से खैरताल मार्ग के मजबूतीकरण एवं पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य के लिए 2208.59 लाख (22 करोड़ 8 लाख 59 हजार रुपये) की शासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही सड़क निर्माण की मांग को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में इस महत्वपूर्ण सड़क कार्य को स्वीकृति मिली है। इससे क्षेत्र में सड़क अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी और ग्रामीण अंचलों में आवागमन की सुविधाएं बेहतर होंगी।

यह मार्ग लगभग 11.70 किलोमीटर लंबा है। मार्ग के मजबूतीकरण एवं पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। जिले के प्रभारी मंत्री एवं वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन एवं प्रयासों से भी क्षेत्र में सड़क एवं अधोसंरचना विकास के कार्यों को गति मिली है।

इस मार्ग के निर्माण एवं मजबूतीकरण से ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों तथा आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों, कृषि उपज के परिवहन और सामाजिक-आर्थिक संपर्क को भी बढ़ावा मिलेगा। बेहतर सड़क सुविधा से ग्रामीण क्षेत्रों का जिला मुख्यालय एवं आसपास के प्रमुख बाजारों से संपर्क और अधिक सुगम हो सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में और लोक निर्माण विभाग के मंत्री श्री अरुण साव के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा सड़क एवं पुल-पुलिया जैसी मूलभूत अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिवरीनारायण-खैरताल मार्ग की स्वीकृति से क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने के साथ ही क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

सेवा संकल्प अभियान में प्राथमिक शाला मोरगा के बच्चों को मिला स्वास्थ्य, स्वच्छता और योग का संदेश



महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत प्राथमिक शाला मोरगा में विगत 28 सितंबर 2026 को जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य बच्चों को स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना तथा मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी देना रहा। कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

शिविर में डॉ. विवेक कुमार द्विवेदी एवं डॉ. विशाल कुमार अहिरवार द्वारा बच्चों को आयुर्वेद एवं आयुष से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। उन्होंने बच्चों को बदलते मौसम में होने वाली सामान्य बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में बताया। साथ ही व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व को समझाते हुए हाथ धोने की सही विधि का प्रदर्शन किया गया। बच्चों को भोजन से पहले और शौचालय के उपयोग के बाद साबुन से अच्छी तरह हाथ धोने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक सत्यनारायण साहू द्वारा बच्चों को विभिन्न योगिक क्रियाएं एवं प्राणायाम कराया गया। नियमित योग एवं प्राणायाम से शरीर को स्वस्थ रखने, एकाग्रता बढ़ाने तथा मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के संबंध में जानकारी दी गई। बच्चों ने योगाभ्यास में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में प्राथमिक शाला मोरगा के प्रधान पाठक एवं शिक्षकों का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। जागरूकता शिविर के माध्यम से बच्चों को स्वच्छता अपनाने, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने तथा नियमित योग एवं प्राणायाम को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस प्रकार शिविर बच्चों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति सकारात्मक आदतें विकसित करने की दिशा में उपयोगी साबित हुआ।

शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने स्कूलों में साईंश्योर न्यूट्रिशन पायलट प्रोजेक्ट का किया शुभारंभ



संवाददाता ➤ रायपुर

शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने स्कूलों में साईंश्योर न्यूट्रिशन पायलट प्रोजेक्ट का किया शुभारंभ प्रदेश के शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए श्री सत्य साईं अन्नपूर्णा ट्रस्ट के सहयोग से छत्तीसगढ़ में ÷साईंश्योर न्यूट्रिशन कार्यक्रम÷ के पायलट प्रोजेक्ट का शुभारंभ गुरुवार को किया। रायपुर जिले के तीन शासकीय विद्यालयों से शुरू किए गए इस कार्यक्रम के प्रथम चरण में लगभग 500 बच्चों को निःशुल्क पोषण सहयोग प्रदान किया जाएगा।

इन स्कूलों के बच्चे होंगे लाभान्वित

पायलट प्रोजेक्ट के तहत नवीन प्राथमिक शाला नवागांव, प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल परसदा तथा शासकीय विद्यालय छेरीखेड़ी के बच्चों को साईंश्योर न्यूट्रिशन उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों को नियमित पौष्टिक आहार सहयोग देकर उनके स्वास्थ्य, एकाग्रता, सीखने की क्षमता और समग्र विकास को प्रोत्साहित करना है।

पोषण से शिक्षा तक की सोच

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर श्री सत्य साईं अन्नपूर्णा ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री आनंद कडली, शिक्षा विभाग के अधिकारी, विद्यालयों के शिक्षक, श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल की टीम सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने बच्चों को साईंश्योर न्यूट्रिशन का वितरण कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। ट्रस्ट के अनुसार वर्तमान में देश के 25 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में एक करोड़ से अधिक स्कूली बच्चों तक प्रातःकालीन पोषण सेवा पहुंचाई जा रही है। ज्ञात हो कि जुलाई 2026 में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सत्य साईं ग्राम, मुद्देनहल्ली का दौरा कर सद्गुरु श्री मधुसूदन साईं से भेंट की थी। इस दौरान पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई थी। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ में साईंश्योर न्यूट्रिशन कार्यक्रम को प्रारंभ करने की दिशा में पहल की गई। शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि पोषित बच्चा ही बेहतर सीख सकता है। रायपुर जिले में लगभग 500 बच्चों के साथ शुरू किए गए इस पायलट कार्यक्रम के अनुभवों के आधार पर भविष्य में इसे राज्य के अन्य क्षेत्रों और अधिक शासकीय विद्यालयों तक विस्तारित किया जाएगा।

गांवों और सार्वजनिक स्थलों पर चला सफाई अभियान, प्लास्टिक कचरे के उचित निपटान के प्रति किया गया जागरूक

सेवा संकल्प अभियान 2026: सेवा मेरा योगदान : 'एक तारीख, एक घंटा, एक साथ' की थीम पर जशपुर में चला व्यापक स्वच्छता श्रमदान अभियान

संवाददाता ➤ रायपुर

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के तहत जशपुर जिले में 'एक तारीख, एक घंटा, एक साथ' की थीम पर व्यापक स्वच्छता श्रमदान किया गया। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में 01 अक्टूबर को आयोजित इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, स्वच्छाग्रहियों, महिला स्व-सहायता समूहों, युवाओं और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।

अभियान के तहत जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों और सार्वजनिक स्थलों पर लोगों ने एकजुट होकर श्रमदान किया। सड़कों, नालियों, सार्वजनिक परिसरों, बाजार क्षेत्रों, जलस्रोतों एवं आसपास के स्थानों की साफ-सफाई की गई। जगह-जगह जमा कचरे और



प्लास्टिक अपशिष्ट को एकत्रित कर उसके उचित निपटान की व्यवस्था की गई। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी स्वयं श्रमदान कर लोगों को अपने गांव एवं आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

स्वच्छता को दैनिक व्यवहार का हिस्सा बनाने का दिया संदेश

श्रमदान के साथ लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया गया। ग्रामीणों को गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने, प्लास्टिक कचरे का उचित प्रबंधन करने तथा सार्वजनिक स्थलों पर कचरा नहीं फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। स्वच्छाग्रहियों और अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं ने बताया कि स्वच्छता केवल किसी विशेष अभियान या दिवस तक सीमित न रहकर दैनिक जीवन की आदत और सामूहिक जिम्मेदारी बननी चाहिए। अभियान के दौरान ग्रामीणों ने अपने गांव और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने का संकल्प लिया। सामूहिक श्रमदान के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि प्रत्येक व्यक्ति की छोटी-सी सहभागिता भी गांव की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

'स्वच्छ गांव-स्वस्थ गांव' के संकल्प के साथ आगे बढ़ी जनभागीदारी

जिले के विभिन्न विकासखंडों में आयोजित श्रमदान गतिविधियों में महिला स्व-सहायता समूहों, युवाओं, स्वच्छाग्रहियों और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। लोगों ने अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के साथ दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। 'स्वच्छ गांव-स्वस्थ गांव' के संदेश के साथ अभियान के माध्यम से स्वच्छता गतिविधियों को निरंतर जारी रखने और गांवों को स्वच्छ एवं कचरा मुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

विकसित गांव की कार्ययोजना में ग्रामीणों की भागीदारी, जिले के सभी 163 ग्राम पंचायतों में हुई विशेष ग्राम सभा

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, गांधी जयंती के अवसर पर आज शासन के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे के निर्देशन में जिले के सभी 163 ग्राम पंचायतों में विकसित ग्राम पंचायत प्लान (व्हीजीजीपी) तैयार करने के लिए विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। ग्राम सभाओं में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी के साथ गांवों के समग्र विकास की भावी कार्ययोजना पर चर्चा की गई।ग्राम सभाओं में विकसित भारत जी-राम-जी योजना के उद्देश्यों, प्रमुख प्रावधानों एवं ग्रामीणों को मिलने वाले लाभों की जानकारी दी गई। आगामी वर्ष के लिए विकसित ग्राम पंचायत प्लान तैयार करने के मुख्य सिद्धांतों, प्राथमिकताओं और संपूर्ण प्रक्रिया से ग्रामीणों को अवगत कराया गया। साथ ही गांव की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों की पहचान और प्राथमिकता तय करने में ग्रामीणों की सहभागिता के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान ग्रामीणों को योजना के तहत 125 दिनों के रोजगार, 300 रुपए प्रतिदिन मजदूरी भुगतान, 375 प्रकार के निर्माण कार्यों के माध्यम से अधोसंरचना विकास एवं आजीविका संवर्धन सहित जल संरक्षण से संबंधित कार्यों और जी-राम-जी योजना के आधारभूत चार स्तंभों के बारे में जानकारी दी गई। ग्राम सभाओं में गांव के विकास के लिए आवश्यक अधोसंरचना, रोजगार एवं आजीविका के अवसर, जल संरक्षण और स्थानीय जरूरतों से जुड़े कार्यों पर ग्रामीणों से सुझाव लिए गए।



न्यूज इन शॉर्ट



जिले में व्यापक रूप से आयोजित हुआ स्वच्छता श्रमदान

स्वच्छ भारत दिवस 2 अक्टूबर को चैनपुर में हुआ वृहद स्वच्छता श्रमदान कलेक्टर सनतन देवी जागड़े के दिशा निर्देश में एव जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा के तहत आज एक अक्टूबर को एक साथ एक घंटे श्रमदान का आयोजन जिले की विभिन्न पंचायतों में आयोजित किया गया , विगत 17 सितम्बर से नियमित रूप से जिले में स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा था जिसमें सार्वजनिक स्थान बाजार परिसरों बस स्टैंड अटल चौक गांव के सार्वजनिक चौक चौराहों पर श्रमदान का आयोजन किया गया इसके साथ ही विश्व पर्यटन दिवस पर भी जिले के समझते पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता श्रमदान का आयोजन कर स्वच्छ परिवेश स्वस्थ जीवन समृद्धि जीवन का संदेश दिया गया इसी क्रम में आज जिले की विभिन्न ग्राम पंचायत में 1 घंटे का श्रमदान का आयोजन का स्वच्छता को अपने जीवनचार्य का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने हेतु अपील की गई
जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू जिला पंचायत सदस्यों उजीत नारायण सिंह सहित जनपद अध्यक्ष जानकी वाई कुसरो सदस्यों और सरपंच वार्डपंच ने पूरे अभियान अंतर्गत श्रमदान में सहभागिता की
माध्यमिक विद्यालय के बच्चों ने प्लास्टिक प्रबंधन इकाई चनवारीडांड का भ्रमण कर प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक को रिसाइकल कर अपना प्रयोग में ले जाने की प्रक्रिया को समझा
अभियान अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने स्वच्छ भारत स्वच्छ पर्यावरण आधारित ,ड्राइंग, पेंटिंग के साथ भाषण अभिव्यक्ति में भी प्रतिभाग कर आम नागरिकों से स्वच्छता हेतु सामुदायिक सहभागिता स्वच्छ परिवेश के साथ व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता का सन्देश दिया ठोस अवशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रावधानों पर रहा विशेष प्रयास
जिले की विभिन्न ग्राम पंचायत में चार प्रकार के अपशिष्ट संग्रहण एवं पृथक्करण सूर्य सेग्रीगेशन एवं चार प्रकार के अपशिष्ट संग्रहण पृथक्करण हेतु सामुदायिक जागरूकता एवं व्यवहार परिवर्तन की दिशा में कार्य किया गया स्वच्छता पखवाड़ा - स्वच्छ भारत दिवस एवं एक पेड़ माँ के नाम थीम पर स्वच्छता शपथ, प्रभात फेरी एवं पौधारोपण के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश



ओल्ड रेल क्लब बिलासपुर में एक पेड़ मां के नाम थीम पर महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश, सेक्रो अध्यक्षा श्रीमती मीनाक्षी शर्मा सहित अधिकारियों द्वारा किया गया वृक्षारोपण

बिलासपुर रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में 'स्वच्छता ही सेवा (स्.ा.स)-2026' अभियान के अंतर्गत दिनांक 01 से 15 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। पखवाड़े के दौरान प्रतिदिन निर्धारित थीम के अनुरूप रेलवे परिसरों में स्वच्छता, स्वच्छ पर्यावरण एवं जनजागरूकता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। ओल्ड ऑफिसर क्लब में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के मुख्य आतिथ्य में स्वच्छता शपथ के साथ ,एक पेड़ माँ के नाम' के तहत वृहद वृक्षारोपण स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्वच्छता शपथ एवं 'एक पेड़ माँ के नाम' थीम के पर ओल्ड ऑफिसर क्लब, बिलासपुर परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश द्वारा उपस्थित सभी को स्वच्छता शपथ दिलाई गई।

1174 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग, 1391 को दवा वितरण, 8 लोगों ने लिया अंगदान का संकल्प

सेवा संकल्प अभियान का मेगा हेल्थ कैंप बना स्वास्थ्य सेवाओं का मजबूत सेतु, अंतिम दिन 1965 लोगों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत चिरमिरी के पोड़ी स्थित मंगल भवन में आयोजित दो दिवसीय मेगा हेल्थ कैंप का सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर के अंतिम दिन भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और कुल 1965 लोगों की ओपीडी दर्ज की गई। प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों से पहुंचे विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्थानीय स्तर पर मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सा परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया।

30 सितंबर को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में शुरू हुए इस दो दिवसीय मेगा हेल्थ कैंप में जिलेवासियों को एक ही स्थान पर विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में जांच, उपचार एवं परामर्श के साथ आवश्यक दवाओं का वितरण किया गया और पात्र हितग्राहियों को विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं सेवाओं से जोड़ने की पहल भी की गई।

बड़े शहरों में जाने की जरूरत हुई कम, स्थानीय स्तर पर मिला विशेषज्ञ परामर्श



मेगा हेल्थ कैंप की विशेषता यह रही कि विभिन्न गंभीर एवं जटिल स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जिलेवासियों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हुआ। प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने चिरमिरी में ही मरीजों की स्वास्थ्य समस्याओं की जांच कर उपचार संबंधी आवश्यक परामर्श दिया। इससे मरीजों एवं उनके परिजनों को रायपुर अथवा अन्य बड़े शहरों तक जाने में लगने वाले समय, श्रम और यात्रा व्यय से राहत मिली।

शिविर में कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी, कैंसर, यूरोलॉजी, शल्य चिकित्सा, अस्थि रोग, स्त्री रोग, मेडिसिन, दंत चिकित्सा, फिजियोथेरेपी, नेत्र रोग, चर्म रोग एवं ईएनटी सहित विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध रहीं। संबंधित विशेषज्ञों ने मरीजों की स्वास्थ्य समस्याओं के आधार पर आवश्यक जांच एवं उपचार संबंधी परामर्श दिया।

अंतिम दिन 1965 लोगों ने लिया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ



मेगा हेल्थ कैंप के अंतिम दिवस कुल 1965 लोगों की ओपीडी दर्ज की गई। इनमें 650 महिलाएं, 505 पुरुष तथा 810 वृद्धजन शामिल रहे। विभिन्न आयु वर्ग के नागरिकों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण एवं विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का लाभ लिया। स्वास्थ्य परीक्षण के साथ नागरिकों को शासन की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं सेवाओं से जोड़ने का कार्य भी किया गया। शिविर में 35 लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए, जबकि 489 लोगों का आरबीएसके पंजीयन किया गया। 380 लोगों को जन औषधि योजना से संबंधित सुविधा प्रदान की गई। अंगदान के प्रति जागरूकता गतिविधियों के परिणामस्वरूप 8 लोगों ने अंगदान का संकल्प भी लिया।

1174 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग, कुष्ठ रोग की भी हुई जांच



मेगा हेल्थ कैंप में बीमारियों की समय पर पहचान के उद्देश्य से स्क्रीनिंग गतिविधियों पर भी विशेष जोर दिया गया। अंतिम दिन 1174 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग की गई, जबकि 24 लोगों की कुष्ठ रोग स्क्रीनिंग हुई। इसके साथ ही 88 लोगों की रक्त जांच की गई तथा चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुसार 35 लोगों को इंजेक्शन लगाए गए। जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श के बाद जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। शिविर के अंतिम दिन 1391 लोगों को दवाओं का वितरण किया गया। इस तरह शिविर में विशेषज्ञ परामर्श के साथ स्क्रीनिंग, जांच, उपचार एवं दवा वितरण जैसी स्वास्थ्य सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं।

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में गूंजा पोषण, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण का संदेश



चौघड़ा में पोषण माह के तहत न्योता भोज, अन्नदान, स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता और पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्राम पंचायत चौघड़ा के ग्राम पंचायत भवन परिसर में पोषण माह 2026 के तहत 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत परियोजना मनेन्द्रगढ़ ग्रामीण की पर्यवेक्षक शिल्पा अग्रवाल द्वारा की गई। कार्यक्रम में महिलाओं, बच्चों, गर्भवती माताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीण जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में सरपंच मानकुंवर, उपसरपंच सुमित्रा सिंह, सचिव अनिल ठाकुर, प्रधान पाठक संतोष साहू, शिक्षक सतीश कुमार, पंच रेखा देवी, ज्ञानवती, रन्नु पाशी एवं पार्वती, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सविता सिंह, बेनीबाई, सोनी एवं मालती केवट, सहायिका ममता केवट एवं श्यामाबाई, मितानिन प्रेमवती, रामबाई, तारणि साहू एवं लक्ष्मी मिंज, स्वास्थ्य कार्यकर्ता राधा पाटिल एवं प्रभा प्याशी सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा अतिथियों एवं सहभागियों का स्वागत किया गया।

न्योता भोज और अन्नदान के माध्यम से पोषण का संदेश

पर्यवेक्षक शिल्पा अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन सेवा का उद्देश्य शासन की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाना तथा महिलाओं एवं बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा दीदियों का सम्मान किया गया तथा पोषण माह के संबंध में हितग्राहियों से संवाद किया गया। ग्राम पंचायत भवन परिसर में न्योता भोज के अंतर्गत 25 बच्चों को भोजन कराया गया, जबकि 'अन्न दान महादान' के तहत 20 गर्भवती महिलाओं को भोजन कराया गया।

गांधी एवं शास्त्री जयंती पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर ने किया महापुरुषों को नमन, श्रमिकों का सम्मान

मनेंद्रगढ़। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर के नेतृत्व में संयुक्त रूप से जयंती समारोह श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर हजारी चौक के सामने स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके राष्ट्र के प्रति योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों



का सम्मान भी किया गया।

कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने महात्मा गांधी जी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सद्भाव एवं समानता के विचारों तथा लाल बहादुर शास्त्री जी के सादगी, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और ÷जय जवान, जय किसान÷ के संदेश को स्मरण किया।जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि महात्मा गांधी जी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर देश को स्वतंत्रता की दिशा में नेतृत्व प्रदान किया, वहीं लाल बहादुर शास्त्री जी ने सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल कायम की। दोनों महापुरुषों का जीवन देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों का सम्मान उनके श्रम और योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त करने का माध्यम है।

गांधी जयंती पर प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने मनेंद्रगढ़ में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को किया नमन

सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के तहत मनाया गया स्वच्छता दिवस, स्वच्छता और सेवा का दिया संदेश

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर आज मनेन्द्रगढ़ के गांधी चौक स्थित स्मारक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के प्रभारी एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम, नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पटवा, पूर्व संसदीय सचिव चंपादेवी पावले, कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े एवं जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया।

गांधी के सत्य-अहिंसा और शास्त्री के सादगीपूर्ण जीवन को किया याद

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने दोनों महान विभूतियों के राष्ट्र निर्माण में योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि



महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और जनसेवा के माध्यम से देश को नई दिशा दी, वहीं लाल बहादुर शास्त्री ने सादगी, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और राष्ट्र सेवा की मिसाल कायम की। उनके जीवन और विचार आज भी समाज एवं राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

उन्होंने कहा कि गांधीजी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को सम्मान देने तथा उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गांधी जयंती का विशेष महत्व है। सभी को उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना चाहिए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता का दिया संदेश

गांधी जयंती के अवसर पर सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत स्वच्छता दिवस के रूप में भी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता और जनभागीदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह, अपर कलेक्टर नम्रता डोगरे, एसडीएम लिंगराज सिदार, विजयेंद्र सारथी सहित तहसीलदार, पार्षदगढ़, जनप्रतिनिधि एवं समस्त जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

नई शुरुआत

नेत्रहीन बच्चों की प्रतिभा से प्रभावित हुए प्रभारी मंत्री, संस्था को एक लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा

सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने किया दिव्यांग विद्यालय का औचक निरीक्षण

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में जनसेवा, संवेदनशीलता और जरूरतमंदों तक सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर पहल की जा रही है। इसी क्रम में गांधी जयंती के अवसर पर जिले के प्रभारी एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने मनेन्द्रगढ़ स्थित एमसीबी जिला नेत्रहीन, विकलांग शिक्षण-प्रशिक्षण विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और दिव्यांग बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनकी पढ़ाई, भोजन, आवासीय सुविधाओं एवं उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली।

बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और उत्साह से प्रभावित होकर प्रभारी मंत्री ने संस्था के संचालन एवं आवश्यक व्यवस्थाओं में सहयोग के लिए एक लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की। साथ ही बच्चों के लिए साउंड सिस्टम बॉक्स तथा फल-फूल भी भेंट किए। इस दौरान उन्होंने संस्था की आवश्यक मूलभूत सुविधाओं को बेहतर करने के निर्देश भी दिए।





इस अवसर पर नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा यादव, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पटवा, कलेक्टर सुश्री सतन देवी जागड़े, पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह, जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम, पूर्व संसदीय सचिव श्रीमती चंपादेवी पावले, एसडीएम लिंगराज सिदार, तहसीलदार श्रुति धुर्वे, जिला संगठन प्रभारी एमसीबी बाबूलाल अग्रवाल, संस्कार अग्रवाल, प्राचार्य संतोष चढ़ोकर, शिक्षक राकेश गुप्ता, गोपाल तिवारी, रामनाथ, रामनारायण सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वागत गीत और सुंदरकांड की चौपाई से भावुक हुए अतिथि

विद्यालय पहुंचने पर नेत्रहीन बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर प्रभारी मंत्री सहित सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। बच्चों ने संगीत के साथ रामायण का पाठ प्रस्तुत किया और सुंदरकांड की चौपाई सुना कर सभी का मन मोह लिया। इसके साथ ही बच्चों ने जीव-जंतुओं की अलग-अलग आवाजें निकालकर अपनी विशेष प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों की प्रस्तुति में आत्मविश्वास, अनुशासन और प्रतिभा देखकर उपस्थित अतिथियों ने उनकी सराहना की।

बच्चों की प्रतिभा से प्रभावित प्रभारी मंत्री ने कहा कि उनके लिए यह अवसर बेहद भावुक और यादगार है। बच्चों के बीच आकर उनसे मिलने, बैठने और चर्चा करने का अवसर मिलना उनके लिए आत्मीय खुशी का क्षण है। उन्होंने कहा कि बच्चों के अंदर प्रतिभा, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने का जो जज्बा है, वह किसी से कम नहीं है।

प्राचार्य ने संस्था की समस्याओं से मंत्री को कराया अवगत

विद्यालय के प्राचार्य संतोष चढ़ोकर ने संस्था की वर्तमान आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी प्रभारी मंत्री को दी। उन्होंने बताया कि संस्था के संचालन में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने तकनीकी कारणों से उत्पन्न आर्थिक समस्या का उल्लेख करते हुए संस्था में कार्यरत शिक्षकों के वेतन में वृद्धि किए जाने की अपील की।

युजवेंद्र चहल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास लिया



भारत के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने कहा कि टेस्ट कैप हासिल करना अब संभव नहीं है। चहल ने कभी भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला।

उन्होंने 72 वनडे और 80 टी-20 इंटरनेशनल खेले हैं। उनका आखिरी इंटरनेशनल मैच अगस्त 2023 में टी-20 था।

टेस्ट कैप हमेशा मेरा सपना रही

चहल ने कहा कि देश के लिए खेलने की उनकी भूख अभी भी बरकरार है। वह वनडे और टी-20 में वापसी के लिए पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में बताया लिखा, मेरे लिए रेड-बॉल क्रिकेट कभी सिर्फ एक और फॉर्मेट नहीं था। यहीं मैंने धैर्य, चरित्र, जुझारूपन और लंबे समय तक मैदान पर रहने की खुशी सीखी। उन्होंने आगे लिखा, मैंने अपना आखिरी फर्स्ट क्लास मैच लॉर्ड्स में खेला। यह लिखना भावुक कर देने वाला है, क्योंकि टेस्ट कैप हमेशा मेरा सपना रही। यह सपना कई सालों तक मेरे साथ रहा। चहल ने कहा, यह सपना पूरा नहीं हुआ, लेकिन मैं अपने सफर से सचमुच संतुष्ट हूं। इस फॉर्मेट में मिले हर मौके के लिए मैं बेहद आभारी हूं।

चहल ने कहा- अभी सब खत्म नहीं हुआ

चहल ने अपने पोस्ट में लिखा, अभी सब खत्म नहीं हुआ है। देश के लिए खेलने की भूख अभी भी पूरी तरह बरकरार है। मुझे लगता है कि मेरे अंदर अभी क्रिकेट बाकी है।उन्होंने आगे लिखा, मैं वनडे और टी-20 फॉर्मेट में एक और मौका हासिल करने के लिए अपना सबकुछ लगा दूंगा।चहल ने 2009 में हरियाणा के लिए फर्स्ट क्लास करियर शुरू किया था। उन्होंने 49 मैचों में 32.27 की औसत से 148 विकेट लिए।उनका आखिरी फर्स्ट क्लास क्रिकेट नॉर्थम्पटनशायर के लिए रहा। उन्होंने 2026 काउंटी चैंपियनशिप के डिविजन-2 में 21 विकेट लिए।

पाटा पिच पर टीम इंडिया की बादशाहत



गुवाहाटी में बुधवार को क्रिकेट हुआ या बल्लेबाजों का खुला दरबार लगा, यह बहस मैच खत्म होने के बाद भी चलती रहेगी. वेस्टइंडीज ने 405 रन ठोके तो लगा कि उसने पहाड़ खड़ा कर दिया है, लेकिन भारत ने उस पहाड़ को ऐसे ढहा दिया, जैसे सामने कोई लक्ष्य नहीं, नेट्स का स्कोर हो. 406 रनों का ऐतिहासिक रन चेज भारत ने दादागीरी वाले अंदाज में सिर्फ 43.3 ओवरों में पूरा कर लिया, 39 गेंद बाकी रहते 8 विकेट से जीत दर्ज की. मगर 811 रनों के इस रन-महोत्सव के बीच एक सवाल दबना नहीं चाहिए- क्या यह बल्लेबाजों की महानता थी या गेंदबाजों के खिलाफ पिच की खुली बगावत।

ऐश्वर्य बोले-जीत और हार दोनों से सीखते हैं, आशी ने कहा- प्रेशर में सेल्फ-बिलीफ सबसे जरूरी



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

एशियन गेम्स-2026 में शूटिंग के 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम इवेंट में भारत के लिए रजत पदक जीतकर मध्यप्रदेश के स्टार शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और आशी चौकसे भोपाल लौटे। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी तैयारियों, प्रतियोगिता के दबाव, जापान के मौसम और ट्रेनिंग के दौरान आई चुनौतियों को साझा किया। उनका अगला लक्ष्य वर्ल्ड चैंपियनशिप में प्रदर्शन` साथ ओलंपिक कोटा हासिल करना है।

ऐश्वर्य-देश के लिए मेडल जीतना गर्व की बात

ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने कहा कि एशियन गेम्स में देश के लिए सिल्वर मेडल जीतकर काफी खुशी हुई। इसके लिए उन्होंने लंबे समय तक मेहनत की थी। मेडल जीतने के बाद सबसे पहले उन्होंने अपने भैया को फोन कर बात की। परिवार से बात करने के बाद खुशी का अहसास और बढ़ गया।ऐश्वर्य ने कहा कि उनका लक्ष्य ओलंपिक में वर्ल्ड मेडल जीतना है।ओलंपिक में वर्ल्ड मेडल लक्ष्य, ऐश्वर्य ने कहा कि उनका लक्ष्य ओलंपिक में वर्ल्ड मेडल जीतना है। फिलहाल अगले महीने होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप सबसे बड़ा लक्ष्य है, क्योंकि इसमें ओलंपिक कोटा भी मिलेगा। उनके मुताबिक एशियन गेम्स का मेडल खुशी देने वाला है।

30 यार्ड के घेरे में 5 फील्डर्स रहते हैं।

गुवाहाटी की पिच पर भड़के भारतीय कोच गंभीर

भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर ने गुवाहाटी की पिच को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा, 'यह क्रिकेट नहीं है, यह सिर्फ बैटिंग है।'भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरे वनडे में कुल 811 रन बने। वेस्टइंडीज ने 405/7 का स्कोर बनाया। भारत ने 39 गेंद बाकी रहते ही टारगेट चेज कर लिया।टीम की जीत के बावजूद गंभीर ने पिच पर गेंद और बल्ले के बीच बराबरी का मुकाबला नहीं होने पर सवाल उठाए।

गंभीर बोले- गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं था

गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के पोस्ट मैच शो में कहा कि क्रिकेट में बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला होना चाहिए। जब कोई टीम 400 रन बनाती है और दूसरी टीम भी आसानी से उसका पीछा कर लेती है, तो इसका मतलब है कि पिच में गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं था।गंभीर ने कहा कि रिकॉर्ड और दर्शकों के लिहाज से ऐसा मैच अच्छा हो सकता है। ब्रॉडकास्टर्स के लिए भी यह शानदार हो सकता है। लेकिन एक क्रिकेट फैन और कोच के तौर पर गेंदबाजों के प्रति भी सहानुभूति होनी चाहिए।



गंभीर ने युवा गेंदबाजों का बचाव किया

गंभीर ने कहा कि गेंदबाजों को सिर्फ उनके आंकड़ों से नहीं आंकना चाहिए। मौजूदा वनडे क्रिकेट में गेंदबाजों के पास पहले ही कम विकल्प हैं। दो नई गेंदें इस्तेमाल होती हैं और 30 यार्ड के घेरे में 5 फील्डर्स रहते हैं। इसके अलावा बल्लेबाजों की पावर-हिटिंग भी बढ़ी है।

उन्होंने डेब्यूटेंट आकिब नबी का बचाव किया। आकिब ने 8.5 ओवर में 84 रन दिए। गंभीर ने कहा कि युवा

व्यापार

भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा

वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है।

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान बना दिया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात में नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना है। इस दौरान देश का कुल रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंचा, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 62.66 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दिखाता है। गौरतलब है कि भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही 3 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन भी स्वदेश में होगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा निर्यात में 14,802 करोड़ रुपए की बड़ी बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी इसका संकेत है कि दुनिया भारत की



स्वदेशी रक्षा क्षमताओं और उन्नत मैन्युफैक्चरिंग पर भरोसा कर रही है। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और निजी उद्योग दोनों की अहम भूमिका रही है। कुल निर्यात में भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों का योगदान 54.84 प्रतिशत रहा, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 45.16 प्रतिशत रही है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक नेतृत्व में भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नई सफलता की कहानी लिखी है।

रक्षा मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक और उपलब्धि हासिल की है। दरअसल मंत्रालय ने अपने पूंजीगत बजट का पूर्ण उपयोग किया है। यह बजट राशि 1.86 लाख करोड़ रुपए थी। इस बड़े पूंजीगत व्यय का 100 प्रतिशत उपयोग किया। यह लगातार दूसरा साल है जब रक्षा मंत्रालय ने अपना पूरा कैपिटल बजट इस्तेमाल किया है। इससे पहले भी वित्त वर्ष 2024-25 में कई वर्षों बाद पहली बार पूंजीगत बजट का पूरा उपयोग किया गया था।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, शुरुआत में पूंजीगत व्यय के लिए 1.80 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, लेकिन पहली दो तिमाहियों के खर्च और ऑपरेशन सिंदूर के

एमजी कामेट ईवी सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

अमेरिका -इजराइल-ईरान के मध्य जारी लडाई का असर अब भारत में भी होने लगा है। देश में कहीं गैस आपूर्ति प्रभावित हो रही है तो कहीं पेट्रोल-डीजल की किल्लत सामने आ रही है। ऐसे माहौल में कालाबाजारी भी चांदी काटने में लगे है। ऐसे हालात में इलेक्ट्रिक वाहन किफायती विकल्प के रूप में तेजी से उभर रहे हैं। खासतौर पर एमजी कामेट ईवी देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में शामिल है, जिसकी शुरुआती कीमत करीब 7.49 लाख रुपए है। इसकी रनिंग कॉस्ट इसे और आकर्षक बनाती है। एमजी कामेट ईवी को फुल चार्ज करने में लगभग 18 यूनिट बिजली लगती है।

यदि प्रति यूनिट कीमत 8 रुपए मानी जाए, तो कुल खर्च 144 रुपए आता है। कंपनी के अनुसार इसकी रेंज 230 किमी है, जबकि वास्तविक रेंज करीब 200 किमी मानी जाती है। इस



हिसाब से प्रति किलोमीटर लागत करीब 72 पैसे पड़ती है। वहीं पेट्रोल कार में औसतन 15 किमी प्रति लीटर माइलेज के आधार पर प्रति किलोमीटर खर्च करीब 6.60 रुपए आता है। यानी हर किलोमीटर पर लगभग 5.88 रुपए की बचत संभव है।

अगर कोई व्यक्ति महीने में 2000 किमी और साल में 24,000 किमी ड्राइव करता है, तो वह हर महीने करीब 11,760 रुपए और सालाना लगभग 1.41 लाख रुपए तक बचा सकता है। पांच साल में यह बचत 7 लाख रुपए के आसपास पहुंच सकती है, जिससे कार की लागत भी वसूल हो जाती है। फीचर्स की बात करें तो इसमें 10.25 इंच की ड्यूल स्क्रीन, स्मार्ट कनेक्टिविटी, नेविगेशन और रियल-टाइम अपडेट जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

- शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्र?ति ?किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्र?ति ?किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्र?ति ?किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्र?ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है

एजेंसी ➤ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 3.62 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे।



बेटियों को गोल्ड राशि मिले

कुछ फैसले ऐसे भी होते हैं कि जहां अभिलाषा का समुद्र और गहरा हो जाता है। बेशक एशियन गेम्स ने इस बार हिमाचल के आईने में झांका तो कई मेडल के करीब यहां की प्रतिभा दिखाई दी। यही वजह रही कि हिमाचल सरकार ने अपने पैमाने से 5.33 करोड़ की नकद राशि छह खिलाड़ियों के नाम कर दी। यहां मेडल की निजी भूमिका में अंदाज बदला तो अब आबंटन के मानदंड पर एक बहस शुरू हुई है। मैराथन में सावन बरवाल को 2.50 करोड़, लंबी दौड़ में सीमा कुमारी को 1.50 करोड़ और कबड्डी की चार खिलाड़ियों को करीब 1.33 करोड़ का संयुक्त पुरस्कार मिला है। इस संदर्भ में कबड्डी खिलाड़ियों ने गोल्ड मेडल के पैमाने को इंसाफ से भरने की दुआ मांगी है। तर्क यह है कि एशियन गेम्स के गोल्ड मेडल को चार करोड़ की राशि रखी है, तो इसे रितु नेगी, पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर और भावना ठाकुर के बीच बराबर में बांट दिया जाए। दूसरी ओर भारतीय कबड्डी के जो खिलाड़ी हरियाणा से आती हैं, उन्हें वहां की सरकार तीन-तीन करोड़ की राशि दे रही है। हमें लगता है कि एशियन गेम्स में गोल्ड तक पहुंचने में हिमाचली बेटियों की भागीदारी इतना तो अधिकार रखती है कि उनका अपना प्रदेश सम्मानजनक भविष्य की कामना में न केवल उचित व वांछित राशि प्रदान करे, बल्कि सरकारी नौकरी का तमगा भी पेश करे। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल पिछले कुछ सालों से खेलों के प्रति उदारता दिखाते हुए खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में निरंतर बढ़ोतरी कर रहा है। खेल वातावरण में सुधार की गुंजाइश से अधोसंरचना निर्माण तथा प्रशिक्षण में भी चमक लाई जा रही है। सर्वप्रथम धूमल सरकार ने प्रशिक्षण में प्रतिबद्धता तथा अधोसंरचना में निखार लाने का प्रयास किया।प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने न केवल 45 के करीब विभिन्न खेलों के लिए कोच नियुक्त किए, बल्कि कारपोरेट जगत की मदद से हमीरपुर व धर्मशाला में सिंथेटिक ट्रैक्स का निर्माण करवाया। यह दीगर है कि हालिया वर्षों में भारतीय खेल प्राधिकरण के धर्मशाला केंद्र में कुछ खेलें मौन या गौण हो गई हैं।

(एक नजर)

3 अक्टूबर से संभलकर रहें राशियां

वैदिक ज्योतिष में केतु को एक छाया, रहस्यमयी और अचानक बदलाव लाने वाला ग्रह माना गया है. गणना के अनुसार, 3 अक्टूबर 2026 को केतु मघा नक्षत्र के द्वितीय पद से निकलकर मघा नक्षत्र के प्रथम पद में प्रवेश करने जा रहे हैं। मघा नक्षत्र के स्वामी स्वयं केतु देव ही हैं। जब केतु अपने ही नक्षत्र के प्रथम पद में गोचर करते हैं, तो इसका प्रभाव बेहद तीखा और उथल-पुथल मचाने वाला होता है। इस नक्षत्र परिवर्तन के कारण कुछ जातकों को मानसिक तनाव, स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां, कार्यक्षेत्र में बाधाएं और धन हानि का सामना करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं कि 3 अक्टूबर को केतु के इस नक्षत्र परिवर्तन से किन 5 राशियों की जिंदगी में मुसीबतें और चुनौतियां बढ़ सकती हैं।कर्क राशि के जातकों के लिए यह नक्षत्र परिवर्तन वाणी और धन भाव को प्रभावित करेगा। आपकी कड़वी वाणी बने-बनाये काम बिगाड़ सकती है, इसलिए बोलने में संयम बरतें। अकारण खर्चे बढ़ने से आपका बजट बिगड़ सकता है और आपको कर्ज लेना पड़ सकता है। मेहनत के बावजूद मनमुताबिक परिणाम न मिलने से निराशा महसूस हो सकती है।

विचार

गांधी जी का रामराज्य और भारत

- सुरेश हिंदुस्थानी,

लेकरव

जबकि गांधी जी स्वदेशी के पक्षधर थे। ऐसे में सवाल यह भी आता है कि इन लोगों को भारतीय जीवन मूल्यों के बारे में या तो पता नहीं था या फिर जानते हुए भी उसे पुनर्स्थापित नहीं करना चाहते थे।भारत को स्वतंत्रता मिलने के पश्चात इस बात पर गहन चिंतन किया गया कि अब कैसा भारत बनाना चाहिए। महात्मा गांधी की इस बारे में स्पष्ट कल्पना थी। वे कहते थे कि मैं एक ऐसे भारत का निर्माण करना चाहता हूँ जिसमें शराब जैसी बुराई का नामोनिशान न हो, जहां समाज में भेदभाव न हो, गौहत्या पाप हो और रामराज्य स्थापित हो। गांधी जी की दृष्टि में भविष्य के भारत की बुनियाद में पुरातन और सांस्कृतिक मानबिन्दुओं का समावेश था। वे जानते थे कि इसके बिना भारत नहीं, क्योंकि भारत का आधार ही राम है।भारत महात्मा गांधी के इन विचारों को हमारे राजनीतिक दल आत्मसात करने में संकोच कर रहे हैं। कहीं न कहीं इन बातों को एक सांप्रदायिक बताने का खेल भी चल रहा है, लेकिन ऐसा करने में वे भूल जाते हैं कि भारत में रामराज्य की संकल्पना स्वतंत्रता मिलने के बाद की नहीं है और न ही यह केवल महात्मा गांधी का ही विचार है, बल्कि महात्मा गांधी ने उसी बात को आगे बढ़ाने का प्रयास किया, जो भारत में सनातन काल से चल रहा है। भारत के मनीषियों ने जो सांस्कृतिक मूल्य

गांधी जी भगवान राम को सभी धर्म और संप्रदाय से ऊपर मानते थे। आज भगवान राम को जिस प्रकार से केवल हिन्दू समाज से जोड़कर देखा जाता है, वह दृष्टि महात्मा गांधी की नहीं थी।भारत के बारे हमारे देश के महापुरुषों की स्पष्ट कल्पना थी। वे भारत की जड़ों से बहुत गहरे तक जुड़े हुए थे। लेकिन आज भारत का जो स्वरूप हमारी आंखों के सामने है, वह भारत के महापुरूषों की मान्यताओं के अनरूप नहीं कहा जा सकता। आज जो बुराई दिखाई देती है, वह अंग्रेजी मानसिकता को अपनाने वाले कुछ लोगों की देन है। जबकि गांधी जी स्वदेशी के पक्षधर थे। ऐसे में सवाल यह भी आता है कि इन लोगों को भारतीय जीवन मूल्यों के बारे में या तो पता नहीं था या फिर जानते हुए भी उसे पुनर्स्थापित नहीं करना चाहते थे।भारत को स्वतंत्रता मिलने के पश्चात इस बात पर गहन चिंतन किया गया कि अब कैसा भारत बनाना चाहिए। महात्मा गांधी की इस बारे में स्पष्ट कल्पना थी। वे कहते थे कि मैं एक ऐसे भारत का निर्माण करना चाहता हूँजिसमें शराब जैसी बुराई का नामोनिशान न हो, जहां समाज में भेदभाव न हो, गौहत्या पाप हो और रामराज्य स्थापित हो। गांधी जी की दृष्टि में भविष्य के भारत की बुनियाद में पुरातन और सांस्कृतिक मानबिन्दुओं का समावेश था। वे जानते थे कि इसके बिना भारत नहीं, क्योंकि भारत का आधार ही राम है।भारत महात्मा गांधी के इन विचारों को हमारे राजनीतिक दल आत्मसात करने में संकोच कर रहे हैं। कहीं न कहीं इन बातों को एक सांप्रदायिक बताने का खेल भी चल रहा है, लेकिन ऐसा करने में वे भूल जाते हैं कि भारत में रामराज्य की संकल्पना स्वतंत्रता मिलने के बाद की नहीं है और न ही यह केवल महात्मा गांधी का ही विचार है, बल्कि महात्मा गांधी ने उसी बात को आगे बढ़ाने का प्रयास किया, जो भारत में सनातन काल से चल रहा है। भारत के मनीषियों ने जो सांस्कृतिक मूल्य



स्थापित किए थे, गांधी जी ने उनका हृदय से अनुगमन किया और आत्मसात किया। इसीलिए वे भारत में इसके स्थापन का प्रयास करते दिखाई दिए।

महात्मा गांधी ने अप्रत्यक्ष रूप से अंग्रेजों की उस नीति का भी विरोध किया, जो समाज में विभाजन की रेखा खींचती थी। इसलिए वे समाज में भाईचारे के भाव का विस्तार चाहते थे। महात्मा गांधी जैसा चाहते थे, उन्हें वैसा दृश्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रमों में दिखाई दिया। इसलिए वे अपने जीवन के अंतिम दिनों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नजदीक आते जा रहे थे। उन्होंने संघ के वर्धा शिविर में भाग लिया। वहां उन्होंने भेदभाव रहित समाज का दर्शन किया, जो उस समय उनकी कल्पना में अपेक्षित था। गांधी जी जानते थे कि सामाजिक एकता इस देश के लिए कितनी आवश्यक है। वर्तमान में समाज की फूट के चलते अनेक विसंगतियों का जन्म हो रहा है। व्यभिचार बढ़ रहे हैं। जो गांधी जी के विचार के प्रतिकूल है।गांधी जी भगवान राम को सभी धर्म और संप्रदाय से ऊपर मानते थे। आज भगवान राम को जिस प्रकार से केवल हिन्दू समाज से जोड़कर देखा जाता है, वह दृष्टि महात्मा गांधी की नहीं थी। श्रीराम जी का जीवन एक ऐसा आदर्श है जो सबके लिए उत्थानकारी है। गांधी जी ने राम को भारतीय दृष्टि से देखा। आज के समाज से भी यही अपेक्षा की जाती है कि वह राम जी को संकुचित दायरे से न देखकर भारतीयता की दृष्टि से देखें। ऐसा करेंगे तो उन्हें राम अपने दिखाई देंगे, भारत के दिखाई देंगेमहात्मा गांधी का पूरा चिंतन भारत के विकास पर भी केंद्रित रहा। उन्होंने देश में स्वदेशी भावना को जगाने के लिए स्वयं के जीवन से कई उदाहरण दिए। आज बाजार में जिस प्रकार से विदेशी वस्तुओं का आक्रमण हुआ है।

विचार

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

- ललित गर्ग

लेखक

एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश



और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन' और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है।एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हूबहू नकल करके उसके संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है।

विचार

फ्लाइट से नया फोबिया

धीरेंद्र राय,

लेखक

फ्लाय दुबई के पायलट कैप्टन स्मित मछार और कुछ पैसेंजरों की बहादुरी की बदौलत 180 यात्रियों की जान बच गई। वरना, ओमानी को-पायलट थोड़ा भी कामयाब होता तो अनर्थ हो चुका था। लेकिन, इस वारदात ने हवाई सफर करने वाले हर पैसेंजर के मन में एक खौफ तो भर ही दिया है।30 सितंबर 2026 की उस सुबह दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाय दुबई की फ्लाइट स्र्ं1073 में जो कुछ हुआ, उसने दुनिया भर के एविएशन सेक्टर और आम यात्रियों की रूह कंपा दी। हवा में हजारों फीट की ऊंचाई पर उड़ते एक बोइंग 737 विमान का कॉकपिट, जो यात्रियों की हिफाजत का सबसे सुरक्षित किला माना जाता था, वही खौफ का अड्डा बन गया।जब जहाज इजरायल के करीब पहुंच रहा था, तभी कॉकपिट के अंदर अचानक खूनखराबा शुरू हो गया। ओमानी नागरिक को-पायलट ने भारतीय मूल के मुख्य कैप्टन पर हमला कर दिया और विमान को तेजी से नीचे गिराने की कोशिश की। सिर्फ 29 सेकंड के अंदर जहाज करीब 14,000 फीट नीचे आ गिरा। यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। गनीमत यह रही कि जख्मी होने के बावजूद कैप्टन ने हिम्मत दिखाकर कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया, जिसके बाद केबिन



क्रू और यात्रियों ने मिलकर हमलावर को काबू में किया। इसके बाद जहाज को सऊदी अरब में सुरक्षित लैंड कराया गया।

यह घटना कोई डरावनी कहानी नहीं, बल्कि एक हकीकत है जिसने पूरे एविएशन जगत के सामने एक नया और बेहद संगीन सवाल खड़ा कर दिया है। सामान की चेकिंग आसान है, मेटल डिटेक्टर और फुल बॉडी स्कैनर से शरीर को जांचना भी मुमकिन है। लेकिन यह कैसे जानेंगे कि उस इंसान के दिमाग के अंदर क्या पक रहा है, जो कॉकपिट में कंट्रोल स्टीयरिंग थामे हुए है? पायलट के दिमाग में पल रहे तनाव, कट्टरता, अवसाद या अचानक जागे गुस्से को मापने के लिए अब तक कोई स्कैनर नहीं बना है।फ्लाय दुबई की घटना ने जिस खतरे को उभारा है, वह किसी बाहरी आतंकी का नहीं, बल्कि अंदर बैठे उस शख्स का है जिस पर 150 से ज्यादा जिंदगियों की जिम्मेदारी थी। जब 9/11 के बाद कॉकपिट के दरवाजों को बुलेटप्रूफ और बाहर से पूरी तरह लॉक होने वाला बनाया गया था, तब मकसद यह था कि कोई बाहरी व्यक्ति अंदर न आ सके। लेकिन 2015 की जर्मनविंग्स फ्लाइट 9525 और अब फ्लाय दुबई की इस घटना ने यह साबित किया है कि अगर कॉकपिट में बैठा पायलट ही खुद कोई आत्मघाती कदम उठाना चाहे, तो वही बुलेटप्रूफ दरवाजा बाहर मौजूद बाकी क्रू मेंबर्स के लिए सबसे बड़ी रुकावट बन जाता है।1960 और 1970 के दशक में एयरपोर्ट्स पर वैसी सख्ती नहीं हुआ करती थी जैसी आज हम देखते हैं। यात्री बिना किसी खास चेकिंग के सीधे प्लेन तक चले जाते थे। यहां तक कि अपनों को छोड़ने आने वाले लोग भी गेट तक आराम से जाते थे। कई बड़े एयरपोर्ट्स पर %लाइफ इंश्योरेंस वेंडिंग मशीनें% लगी होती थी। जो यात्री हवाई सफर से घबराते थे, वे वेंडिंग मशीन में सिक्के डालकर मिनटों में अपना जीवन बीमा करा लेते थे। जब 70 के दशक में हाईजैकिंग की घटनाएं बढ़ीं, तब 1973 में पहली बार मेटल डिटैक्टर और एक्स-रे मशीनों से बैग्स की जांच अनिवार्य की गई।11 सितंबर 2001 की घटना ने एविएशन सिक्योरिटी का पूरा खाका ही बदलकर रख दिया। उस दिन के बाद दुनिया समझ गई कि एक पैसेंजर प्लेन सिर्फ ट्रांसपोर्ट का जरिया नहीं, बल्कि एक खतरनाक हथियार भी बनाया जा सकता है।इसी के बाद अमेरिका में टीएसए (ञ्ज्र) जैसी केंद्रीय एजेंसी बनाई गई। जूते उतारकर चेकिंग कराना, 100द्वद्य से ज्यादा तरल पदार्थ ले जाने पर रोक, नुकीली चीजों पर पूरी पाबंदी और बॉडी स्कैनर जैसी तकनीकों को लागू किया गया। कॉकपिट के दरवाजों को इतना मजबूत और बुलेटप्रूफ बना दिया गया कि बाहर से कोई भी उसे तोड़कर अंदर न घुस सके।9/11 के बाद लागू हुए इन कड़े सुरक्षा नियमों ने एविएशन को सुरक्षित तो बनाया, लेकिन इसके साथ ही एक सामाजिक समस्या भी पैदा कर दी। सुरक्षा चेकिंग का दायरा सिर्फ सामान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोगों के चेहरों, नामों और मजहब तक फैल गया।शाहरुख खान की चर्चित फिल्म 'माय नेम इज खान' ने इसी दर्द को दुनिया के सामने रखा था। फिल्म में दिखाया गया था कि कैसे अमेरिका के एयरपोर्ट्स पर केवल नाम और पहचान के आधार पर निर्दोष लोगों को घंटों पूछताछ और मानसिक यातना से गुजरना पड़ता था। 9/11 के बाद पैदा हुए इस इस्लामोफोबिया ने करोड़ों बेकसूर यात्रियों के मन में एक अनजाना डर और झिझक भर दी।आज भी हम देखते हैं कि ओला या उबर कैब बुक करते समय कुछ लोग ड्राइवर का नाम पढ़कर राइड कैंसिल कर देते हैं, क्योंकि उन्हें डर या पूर्वाग्रह महसूस होता है। लेकिन सोचिए, फ्लाय दुबई की वारदात के बाद क्या यही सोच और डर हवाई यात्राओं तक नहीं पहुंचेगा? अगर किसी फ्लाइट में उड़ान भरने से ठीक पहले यात्रियों को यह बताया जाए।



वेदों में वर्णित है मां की महिमा

वेदों में 'मां' को 'अंबा', 'अम्बिका', 'दुर्गा', 'देवी', 'सरस्वती', 'शक्ति','ज्योति','पृथ्वी' आदि नामों से संबोधित किया गया है। इसके अलावा 'मां' को 'माता', 'मात', 'मातृ', 'अम्मा', 'अम्मी', 'जननी', 'जन्मदात्री', 'जीवनदायिनी', 'जनयत्री', 'धात्री', 'प्रसू' आदि अनेक नामों से पुकारा जाता है।

रामायण में श्रीराम अपने श्रीमुख से 'मां' को स्वर्ग से भी बढ़कर मानते हैं। वे कहते हैं-

'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।'

अर्थात, जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है।

महाभारत में जब यक्ष धर्मराज युधिष्ठर से सवाल करते हैं कि 'भूमि से भारी कौन' तब युधिष्ठर जवाब देते हैं-

'माता गुरुतरा भूमेरू।'

अर्थात, माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं।

इसके साथ ही महाभारत महाकाव्य के रचियता महर्षि वेदव्यास ने 'मां' के बारे में लिखा है-

'नास्ति मातृसमा छाया, नास्ति मातृसमा गतिः।
नास्ति मातृसमं त्राण, नास्ति मातृसमा प्रिया।।'

अर्थात, माता के समान कोई छाया नहीं है, माता के समान कोई सहारा नहीं है। माता के समान कोई रक्षक नहीं है और
माता के समान कोई प्रिय चीज नहीं है

तैतरीय उपनिषद में 'मां' के बारे में इस प्रकार उल्लेख मिलता है-

'मातृ देवो भवः।'

अर्थात, माता देवताओं से भी बढ़कर होती है।

'शतपथ ब्राह्मण' की सूक्ति कुछ इस प्रकार है-

'अथ शिक्षा प्रवक्ष्यामः
मातृमान पितृमानाचार्यवान पुरूषो वेदः।'

अर्थात, जब तीन उत्तम शिक्षक अर्थात एक माता, दूसरा पिता और तीसरा आचार्य हो तो तभी मनुष्य ज्ञानवान होगा।

'मां' के गुणों का उल्लेख करते हुए आगे कहा गया है-

'प्रशस्ता धार्मिकी विदुषी माता विद्यते यस्य स मातृमान।'

अर्थात, धन्य वह माता है जो गर्भावान से लेकर, जब तक पूरी विद्या न हो, तब तक सुशीलता का उपदेश करे।

हितोपदेश-

आपदामापन्तीनां हितोप्यायाति हेतुताम ।
मातृजङ्घा हि वत्सस्य स्तम्भीभवति बन्धने ?

जब विपत्तियां आने को होती हैं, तो हितकारी भी उनमें कारण बन जाता है। बछड़े को बांधने में मां की जांघ ही खम्भे का काम करती है।

स्कन्द पुराण-

नास्ति मातृसमा छाया नास्ति मातृसमा गतिः।
नास्ति मातृसमं त्राण, नास्ति मातृसमा प्रिया।।'

महर्षि वेदव्यास

माता के समान कोई छाया नहीं, कोई आश्रय नहीं,

मां के लिए बस एक दिन?

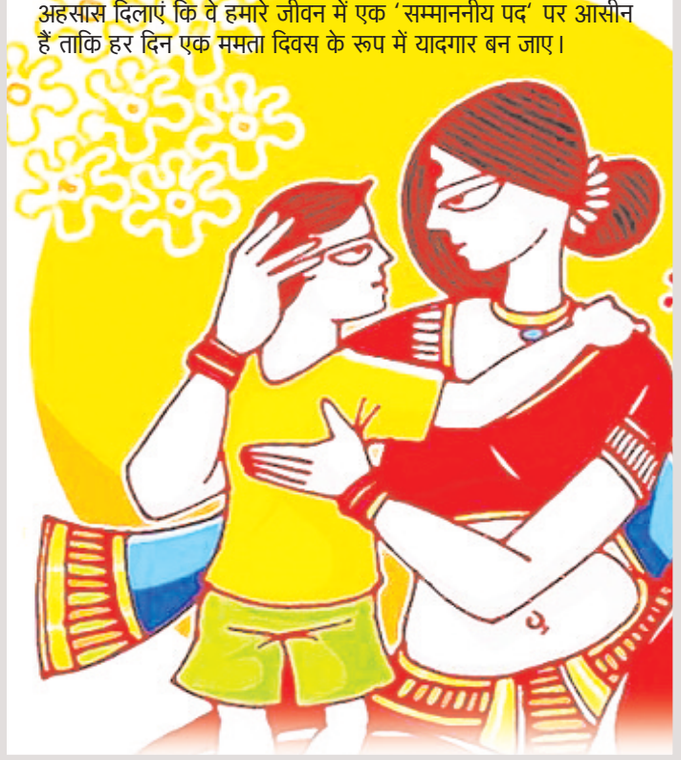
बड़ी अनुपम (सुखमय) अनुभूति होती है, जब हम अपनी मां को महत्व देते हैं। लेकिन क्या मां को याद करने के लिए सिर्फ 'एक ही दिन' पर्याप्त है? मां की ममता तो असीमित है, तो उनके लिए हमारा आदर क्यों सिर्फ एक ही दिन के लिए सीमित रहे? हम चाहे तो हर दिन को अपनी मां के लिए महत्वपूर्ण बना सकते हैं। वह तो हमारे जीवन की हर राह पर साथ है।

मां की ममता को याद कर, उनके दिए साथ को कभी न भुलाकर हम उन्हें खास दिन पर खास बना सकते हैं। उन्हें यह अहसास दिलाकर कि- 'मां, जिस तरह आपने मेरे जीवन की हर राह पर मेरा साथ दिया, मैं भी उसी तरह हर कदम पर आपके साथ खड़ी हूं। जब मेरे कदम लड़खड़ाए थे, तब मां सिर्फ आपने ही मुझे सहारा दिया। जब मेरी आंखों से आंसू गिरे, आपके आंचल ने ही उन आंसुओं को पोंछा। लेकिन अब सिर्फ मेरी बारी है तुम्हें सहारा देने की, तो मैं क्यों पीछे हटूं? जब आपके कदम लड़खड़ाएंगे, तो मैं भी हर कदम पर आपके साथ हूं।'

हमारे समाज में हर बात को महत्व देने के लिए 365 दिनों में से सिर्फ 'एक दिन' तय कर दिया गया है, पर मां को महत्व देने के लिए सिर्फ एक दिन काफी नहीं है। जिस तरह मां की ममता और प्रेम 'असीमित और निःस्वार्थ' है, उसी तरह मां के लिए हर दिन एक महत्व लिए होना चाहिए और सिर्फ दिन ही क्यों बल्कि हर क्षण वह हमारे लिए महत्वपूर्ण होनी चाहिए।

अगर हम भी बिना किसी स्वार्थ के उन्हें आदर देकर, मां की ममता को भूले बिना और उनका हर सुख-दुःख में साथ दें तो अपना जीवन सार्थक बना सकते हैं।

क्यों न हम सिर्फ 'एक ही दिन' को मां के लिए महत्वपूर्ण न बनाकर 'हर क्षण' को सदियों तक मां के लिए महत्वपूर्ण बनाएं। उसे हर क्षण यह अहसास दिलाएं कि वे हमारे जीवन में एक 'सम्माननीय पद' पर आसीन हैं ताकि हर दिन एक ममता दिवस के रूप में यादगार बन जाए।





कब, क्यों और कैसे शुरू हुई मदर्स डे मनाने की परम्परा

सारी दुनिया मई महीने के दूसरे रविवार को मदर्स डे सेलीब्रेट करती है, ये तो सभी जानते हैं कि ये दिन खासतौर से सभी माताओं को समर्पित है। वैसे तो माताओं के प्रति प्यार और सम्मान हर पल ही मन में होता है लेकिन इस एक दिन उसे जताकर माताओं को खास महसूस कराये जाने का चलन है। इस दिन मां के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर उनके अथाह प्यार और स्नेह के लिए धन्यवाद दिया जाता है। जितना खास है यह दिन, उतनी ही रोचक है इस दिन को मनाने की शुरुआत भी।अलग-अलग देशों में इस दिन को मनाने की अलग-अलग कहानी है। जानिए कब, क्यों और कैसे हुई मदर्स डे मनाने की शुरुआत

मदर्स डे ग्राफटन वेस्ट वर्जिनिया में एना जॉर्विस ने सभी माताओं और उनके मातृत्व को सम्मान देने के लिए आरंभ किया गया था। इसे दुनिया के हर कोने में अलग-अलग दिनों में मनाया जाता हैं। इस दिन कई देशों में विशेष अवकाश घोषित किया जाता है।

कुछ विद्वानों का दावा है कि मां के प्रति सम्मान यानी मां की पूजा का रिवाज पुराने ग्रीस से आरंभ हुआ है। कहा जाता है कि स्खेले ग्रीक देवताओं की मां थीं, उनके सम्मान में यह दिन मनाया जाता था। यह दिन त्योहार की तरह मनाने की प्रथा थी। एशिया माइनर के आस-पास और साथ ही साथ रोम में भी वसंत के आस-पास इदेस ऑफ मार्च 15 मार्च से 18 मार्च तक मनाया जाता था।

मनाया जाता था मदरिंग संडे

यूरोप और ब्रिटेन में मां के प्रति सम्मान दर्शाने की कई परंपराएं प्रचलित हैं। उसी के अंतर्गत एक खास रविवार को मातृत्व और माताओं को सम्मानित किया जाता था। जिसे मदरिंग संडे कहा जाता था। मदरिंग संडे फेस्टिवल, लितुर्गिकल कैलेंडर का हिस्सा है। यह कैथोलिक कैलेंडर में लेतारे संडे, लेंट में चौथे रविवार को वर्जिन मेरी और 'मदर चर्च' को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता हैं। परंपरानुसार इस दिन प्रतीकात्मक उपहार देने तथा मां का हर काम परिवार के सदस्य द्वारा किए जाने का उल्लेख मिलता है। अमेरिका में सर्वप्रथम मदर डे प्रोक्लॉमेशन जुलिया वॉर्ड होवे द्वारा मनाया गया था। होवे द्वारा 1870 में रचित ''मदर डे प्रोक्लामेशन'' में अमेरिकन सिविल वॉर (युद्ध) में हुई मारकाट संबंधी शांतिवादी प्रतिक्रिया लिखी गई थी। यह प्रोक्लामेशन होवे का नारीवादी विश्वास था जिसके अनुसार महिलाओं या माताओं को राजनीतिक स्तर पर अपने समाज को आकार देने का संपूर्ण दायित्व मिलना चाहिए। 1912 में एना जॉर्विस ने सेकंड संडे इन मई फॉर 'मदर्स डे' को ट्रेडमार्क बनाया और मदर डे इंटरनेशनल एसोसिएशन का गठन किया।

गूगल से जानकारी ढूंढने जाएं तो मदर्स डे के दो प्राथमिक परिणाम सामने आते हैं, वो है,लेंट में मदरिंग संडे, ब्रिटिश कैलेंडर के चौथे संडे के रूप में और मई के दूसरे संडे के रूप में। चीन में मातृ दिवस बेहद लोकप्रिय है और इस दिन उपहार के रूप में गुलनार के फूल सबसे अधिक बिकते हैं। 1997 में चीन में यह दिन गरीब माताओं की मदद के लिए निश्चित किया गया था। खासतौर पर उन गरीब माताओं के लिए जो ग्रामीण क्षेत्रों, जैसे पश्चिम चीन में रहती हैं। जापान में मातृ दिवस शोवा अवधि के दौरान महारानी कोजुन (सम्राट अकिहितो की मां) के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता था। आज कल इसे अपनी मां के लिए ही लोग मनाते हैं। बच्चे गुलनार और गुलाब के फूल उपहार के रूप में मां को अवश्य देते हैं। थाईलैंड में मातृत्व दिवस थाइलैंड की रानी के जन्मदिन पर मनाया जाता है। भारत में इसे कस्तुरबा गांधी के सम्मान में मनाए जाने की परंपरा है।

बाद में यह तारीखें कुछ इस तरह बदली कि वि?भिन्न देशों में प्रचलित धर्मों की देवी के जन्मदिन या पुण्य दिवस को इस रूप में मनाया जाने लगा। जैसे कैथोलिक देशों में वर्जिन मैरी डे और इस्लामिक देशों में पैगंबर मुहम्मद की बेटी फातिमा के जन्मदिन की तारीखों से इस दिन को बदल लिया गया।

वैसे कुछ देश 8 मार्च वुमंस डे को ही मदर्स डे की तरह मनाते हैं। यहां तक कि कुछ देशों में अगर मदर्स डे पर अपनी मां को विधिवत सम्मानित नहीं किया जाए तो उसे अपराध की तरह देखा जाता है। चीन में मातृ दिवस बेहद लोकप्रिय है और इस दिन उपहार के रूप में गुलनार के फूल सबसे अधिक बिकते हैं। 1997 में चीन में यह दिन गरीब माताओं की मदद के लिए निश्चित किया गया था। खासतौर पर उन गरीब माताओं के लिए जो ग्रामीण क्षेत्रों, जैसे पश्चिम चीन में रहती हैं।

जापान में मातृ दिवस शोवा अवधि के दौरान महारानी कोजुन (सम्राट अकिहितो की मां)

ईश्वर का रूप होती है मां

ईश्वर ने दुनिया बनाई। जब उसे लगा कि वह अकेले इसकी देखभाल नहीं कर सकता तो उसने मां की रचना की।

एक एहसास है मां। प्यार भरी लोरी है, जिसे सुनते ही बच्चे को नींद आ जाती है, वह आंख है, जो बच्चे के लिए रात-रात भर जागती है। तावीज बनकर बुरी नजर से बचाती है तो गर्म दुपहरी में छांह बन जाती है। मां सुबह की नर्म-मुलायम धूप है, जो तन-मन में ऊर्जा जगा देती है, हवा है- छू कर गुजरे तो दिल को सुकून मिल जाता है, वह आंचल है, जिसमें छुप कर हम दुनिया की हर तकलीफ को भुला देते हैं, वह गोद है जो हमारी ख्वाबगाह बन जाती है। मां कोई जादूगर है, जो हमारे मन की हर बात समझ जाती है, जिसे हमारा चेहरा देखते ही समझ आ जाता है कि हमें क्या चाहिए। मां वह आईना है, जिसमें हम खुद को देखते हैं और खुदा को महसूस करते हैं..।

हर मोड पर है नई चुनौती

..लेकिन क्या मां की जिंदगी किसी कविता जैसी सहज और आसान है? बच्चे को कोख में धारण करने, जन्म देने, परवरिश, करियर और शादी से लेकर उनके बच्चों के जन्म तक मां एक ही जीवन में कई जीवन जीती है। हर जीवन नई चुनौतियां लेकर आता है। मां की पूरी जिंदगी एक रोलर-कोस्टर की तरह है।

पिछले कुछ वर्षों में तो मां की भूमिका और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है। राशन-बिलों की लंबी लाइनों में खडी, सब्जी वाले से मोलभाव करती, ग्रॉसरी स्टोर में स्कीम्स पर नजर दौडाती, काम वाली बाई को हिदायतें देती और फिर घडी की सुइयों से भी तेज भागते हुए दफ्तर पहुंचती इस मां का जीवन बहुत बदल चुका है। वह टीनएज बच्चों की सुरक्षा के लिए फिक्रमंद रहती है और उन पर नजर रखने की हरसंभव कोशिशें करती है। फेसबुक पर अनफ्रेंड कर दिए जाने के बावजूद बच्चों के अकाउंट एक्सेस कर लेने को अपनी जीत मान लेती है। वह ई-मेल और वेबकैम से दूर बसे बेटा-बेटी का हालचाल लेती है तो एसएमएस के जरिये डाइट और दिनचर्या के बारे में सख्त हिदायतें देना भी नहीं भूलती..। मां आत्मनिर्भर है, आत्मविश्वास से भरपूर है, बच्चों की दोस्त है..। मगर बच्चे की आंख में आंसू नहीं देख पाती। मां के इस सफर में हजारों मुश्किलें हैं। पालक, संरक्षक, सलाहकार, नर्स, शिक्षक जैसी हर भूमिका मां एक साथ निभाती है। सच यह है कि मां भी बच्चों के साथ धीरे-धीरे बडी होती है, परिपक्व होती है। मां की इस यात्रा में कई मोड आते हैं।

जन्म लेती मां

बच्चे के जन्म से पहले ही मातृत्व का अनोखा सफर शुरू हो जाता है। शिशु मां पर निर्भर होता है। उसके साथ सोना-उठना, हर पल उसे अपनी मौजूदगी का एहसास कराना, उसकी हर पीडा को बिना कहे समझ जाना..। फैशनेबल कपडे, दोस्त, पार्टीज, लेट नाइट मूवीज, शॉपिंग, सामाजिक आयोजन.., मां कुछ साल दुनियादारी से पूरी तरह कट कर सिर्फ बच्चे की होकर रह जाती है। बच्चा फुलटाइम जॉब है-मां होलटाइमर। अब उसके पर्स में मेकअप का सामान और एक्सेसरीज नहीं, बल्कि दूध की बॉटल, डाइपर्स, कैंडीज मिलती हैं।

उलझनें नई मां की

प्रसव के दौरान मां का तनाव और दबाव बढता है। एक शोध के मुताबिक लगभग 13 फीसदी स्त्रियां प्रसव के बाद डिप्रेशन से जूझती हैं। क्लिनिकल भाषा में इसे पोस्टपार्टम डिप्रेशन कहा जाता है। यह अस्थायी होता है, लेकिन समय रहते ध्यान न दिया जाए तो इससे स्त्री में नकारात्मक दृष्टिकोण व असुरक्षा-भय पैदा होने लगता है जो साइको सोमेटिक डिसॉर्डर के रूप में दिखता है। इस दौरान खुशी देने वाले हॉर्मोंस जैसे सेरोटोनिन का स्तर घटता है। यह ब्रेन से रिलीज होने वाला हॉर्मोन है, जो मूड अच्छा करता है। बढती जिम्मेदारियां, शारीरिक परिवर्तन, समय का अभाव और भूमिकाओं का द्वंद्व भी डिप्रेशन का कारण बनता है।

बडी होती मां

मां सबसे ज्यादा खुद को अपडेट कब करती है? इसका जवाब है- जब बच्चे टीनएज में आते हैं। बच्चों की टीनएज दरअसल मातृत्व की भी टीनएज है। अब मां को गाइड के साथ ही दोस्त की भूमिका भी निभानी पडती है। मां की पदोन्नति होती है, लेकिन जिम्मेदारियां भी बढती हैं। उसे समझना पडता है कि कैसे कठोर अनुशासन और लचीलेपन के साथ बीच की राह खोजे।

पेरेंटिंग का द्वंद्व

इस मोड पर दिल न तो बच्चों की बातों को सही ठहरा पाता है, न पूरी तरह उन्हें खारिज कर पाता है। मां यह अपेक्षा तो रखती है कि बच्चा जिम्मेदार बने, लेकिन यह नहीं समझ पाती कि उसे कितनी आजादी दे। अभी तुम बच्चे हो और तुम बडे हो गए हो के बीच का द्वंद्व मातृत्व की टीनएज को बहुत परेशान करता है। दूसरी ओर टीनएजर्स की बदलती दुनिया भी हैरान करती है।

परिपक्व होती मां

बच्चों के साथ ही मां भी परिपक्व होती है। उसमें स्थायित्व आता है। मातृत्व अब उसे इतना हैरान-परेशान नहीं करता। मां के सफर का यह ऐसा पडाव है, जहां वह पूरी तरह निश्चिंत न सही, मगर थोडा सुकून से बैठ सकती है। यहां पहुंच कर जीवन में ठहराव आता है, मगर युवा बच्चों की दुनिया में कई बार वह थोडा असहज भी महसूस करने लगती है। यह स्थिति खासतौर पर तब आती है जब बच्चे उच्च शिक्षा या करियर के लिए दूर चले जाएं या उनकी शादी हो जाए।

बचपन में लौटती मां

मातृत्व की राह का यह चौथा पडाव बेहद खूबसूरत होता है। यहां आकर एक बार फिर बचपन को जीने लगती है मां। नानी-दादी बनने का यह नया एहसास कुछ अलग सा होता है। तुम्हारी मां भी ऐसी ही थी बचपन में.., तुम्हारे पापा भी इतने जिद्दी थे.., इतिहास एक बार फिर खुद को दोहराता नजर आता है। नाती-पोतों-पोतियों के साथ खेलती-खाती, हंसती-गुनगुनाती है मां..।

खुश रहें-संतुष्ट रहें



शरीर की सीमाएं हैं, लेकिन मन की कोई सीमा नहीं। शरीर चुकने लगे तो मन को जवां बनाएं। अपनों का साथ हो तो उम्र का यह दौर बहुत संबल देता है। इस दौर में अगर दो पीढियां तीसरी पीढी को अपने-अपने समय के सर्वोत्तम मूल्य दे सकें तो बहुत अच्छा हो। नानी-दादी प्रेरणादायक कहानियां सुना सकती हैं, मूल्यों व परंपराओं के बारे में बता सकती हैं। थोडी सी समझदारी से मातृत्व का यह चौथा पडाव खूबसूरत बन सकता है, बस जरूरत है दृष्टिकोण बदलने की। अपनी आंखों में नई दुनिया बसाएं और मां के इस सफरनामे में खुशनुमा अध्याय जोडें।

मां, तुम सबसे अच्छी हो

आंखों में खुशियों के हजारों दीप झिलमिलाने लगते हैं। लाज और लावण्य से दीपदिपाते-पुलकित इस भाव को किसी भाषा, किसी शब्द और किसी व्याख्या की आवश्यकता नहीं होती। मां शब्द की पवित्रता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि हिन्दू धर्म में देवियों को मां कहकर पुकारते है। बेटी या बहन के संबोधनों से नहीं। मदर मैरी और बीवी फातिमा का ईसाई और मुस्लिम धर्म में विशिष्ट स्थान है। माँ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए एक दिवस नहीं एक सदी भी कम है। किसी ने कहा है ना कि सारे सागर की स्याही बना ली जाए और सारी धरती को कागज मान कर लिखा जाए तब भी मां की महिमा नहीं लिखी जा सकती। इसीलिए हर बच्चा कहता है मेरी मां सबसे अच्छी है। जबकि मां, इसकी- उसकी नहीं हर किसी की अच्छी ही होती है, क्योंकि वह मां होती है। मातृ दिवस पर हर मां को उसके अनूठे अनमोल मातृ-बोध की बधाई।

मां, इस एक शब्द को सुनने के लिए नारी अपने समस्त अस्तित्व को दांव पर लगाने को तैयार हो जाती है। नारी अपनी संतान को एक बार जन्म देती है। लेकिन सच तो यह है कि बच्चे के बड़े होने तक अलग-अलग रूपों में खुद उसका पुनर्जन्म होता है। यानी एक शिशु के जन्म के साथ ही स्त्री के कई खूबसूरत रूपों में लगातार अभिव्यक्त होती है। पल- पल उसके दिल के सागर में ममता की मार्मिक लहरें आलोड़ित होती है। अपने हर ज्वार के साथ उसका रोम-रोम अपनी संतान पर न्योछावर होने को बेकल हो उठता है। नारी अपने कोरे कुंवारे रूप में जितनी सलोनी होती है उतनी ही सुहानी वह विवाहिता होकर लगती है लेकिन उसका नारीत्व संपूर्णता पाता है मां बन कर। संपूर्णता के इस पवित्र भाव को जीते हुए वह एक दिव्य अलौकिक प्रकाश से भर उठती है। उसका चेहरा अपार कष्ट के बावजूद हर्ष से चमकने लगता है जब एक नर्म गुदगुदाता जीव उसके कलेजे से आ लगता है। उसका अपना प्राकृतिक सृजन जब उसे देखकर चहकता है तो उसकी



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा घोषित 51 लाख रुपए की सम्मान राशि का चेक संजू देवी को सौंपा

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बहतराई खेल अकादमी के अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों का किया सम्मान, बढ़ाया हौसला

संवाददाता ➤ रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार लगातार अभिनव पहल कर रही है। इसी कड़ी में प्रदेश में 21 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक पुरुष हॉकी लीग का आयोजन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य होगा, जो इस तरह की हॉकी लीग का आयोजन करने जा रहा है। लीग की टैगलाइन 'चलव रे संगी हॉकी खेलबो' रखी गई है। इसमें छह टीमें हिस्सा लेंगी, जिनका नामकरण छत्तीसगढ़ की संस्कृति और पहचान के अनुरूप किया गया है।



श्री साव ने बिलासपुर के बहतराई स्थित खेलो इंडिया उत्कृष्टता केंद्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर छत्तीसगढ़ और देश का गौरव बढ़ाने वाली खिलाड़ियों के सम्मान समारोह में ये बातें कहीं। उन्होंने एशियन गेम्स-2026 में कबड्डी की स्वर्ण पदक विजेता सुश्री संजू देवी तथा जूनियर हॉकी एशिया कप-2026 की स्वर्ण पदक विजेता सुश्री मधु सिदार और सुश्री गीता यादव को सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने की।

समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा सुश्री संजू देवी के लिए पूर्व में घोषित 51 लाख रुपए की सम्मान राशि का चेक प्रदान किया गया। वहीं मधु सिदार और गीता यादव को 11 लाख 12 हजार रुपए प्रत्येक को विशेष सहायता पैकेज देने की घोषणा की गई। कार्यक्रम में दोनों को इसमें से तत्काल 2-2 लाख रुपए की एकमुश्त सहायता राशि के चेक प्रदान किए गए। श्री साव ने तीनों खिलाड़ियों को शाल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों में परिवार के योगदान का सम्मान करते हुए उप मुख्यमंत्री ने तीनों खिलाड़ियों के परिजनों को भी शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।उप मुख्यमंत्री श्री साव ने खेलो इंडिया उत्कृष्टता केंद्र के प्रशासनिक भवन में नवनिर्मित ऑडियो-वीडियो कॉन्फ्रेंस रूम का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि यह बिलासपुर और पूरे छत्तीसगढ़ के लिए उत्साह, उल्लास और गौरव का दिन है। इन खिलाड़ियों ने इसी सेंटर में खेलना सीखा, अपनी प्रतिभा को निखारा और कठिन परिश्रम के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया। चीन और जापान में स्वर्ण पदक जीतना सहज उपलब्धि नहीं है। इसके पीछे खिलाड़ियों की वर्षों की मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प है।श्री साव ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति को योग्य, सक्षम और अच्छा नागरिक बनाने का सशक्त माध्यम है। खेल के मैदान से अच्छा स्वास्थ्य, आत्मविश्वास, धैर्य, अनुशासन और कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़ने का जज्बा मिलता है। खिलाड़ी कठिन समय में निराश होने के बजाय संघर्ष करना और फिर आगे बढ़ना सीखता है। खेल प्रतिभा के बल पर आज खिलाड़ियों को मान-सम्मान के साथ बेहतर भविष्य के अवसर भी मिल रहे हैं।उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खिलाड़ियों के बेहतर भविष्य और खेल अधोसंरचना के विकास के लिए लगातार काम कर रही है।

बहतराई में और बढ़ेंगी खेल सुविधाएं :श्री सुशांत शुक्ला

समारोह की अध्यक्षता करते हुए विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने बहतराई जिला खेल परिसर में खेल सुविधाओं के विस्तार की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लगभग 6 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न खेल मैदानों एवं हाई मास्ट लाइट सहित अन्य सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। लगभग 3 करोड़ रुपए की लागत से वातानुकूलन सहित आवश्यक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में लगभग 16 करोड़ रुपए की लागत से खेल अधोसंरचना विकसित करने की योजना है, जिसका जल्द भूमिपूजन किया जाएगा। राज्य हॉकी संघ के अध्यक्ष श्री मनीष श्रीवास्तव, प्रदेश कबड्डी संघ के महासचिव श्री प्रदीप यादव, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल और श्री दीपक सिंह सहित विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी, प्रशिक्षक, खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित थे।

न्यूज इन शॉर्ट

छात्रावास अधीक्षक की नौकरी दिलाने के नाम पर 14 लाख की ठगी

कोरिया। जिले में छात्रावास अधीक्षक के पद पर नौकरी लगवाने का झांसा देकर स्कूल के एक सफाई कर्मचारी से करीब 14 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत और प्रारंभिक जांच के बाद कोतवाली बैकुंठपुर पुलिस ने आईजी कार्यालय अंबिकापुर में पदस्थ कांस्टेबल, उसकी पत्नी, भाजपा मजदूर संघ के प्रदेशाध्यक्ष, एक एडवोकेट और महिला के पिता के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया है। आमापारा स्कूल में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत संतोष कुमार सारथी ने कोरिया एसपी को मामले की लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में संतोष ने बताया कि उसकी पहचान आईजी कार्यालय अंबिकापुर में पदस्थ कांस्टेबल राजकुमार लकड़ा की पत्नी अनुराधा भगत से पहले से थी। अनुराधा का मायका सरभोका में है और आमापारा में उनकी जमीन भी है।शिकायत के मुताबिक, वर्ष 2024 में छात्रावास अधीक्षक पद पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी हुआ था। इसी दौरान अनुराधा भगत ने संतोष को छात्रावास अधीक्षक के पद पर नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया। इसके बदले कथित तौर पर 15 लाख रुपए की मांग की गई। नौकरी मिलने की उम्मीद में संतोष ने रकम देने की बात स्वीकार कर ली। आरोप है कि छात्रावास अधीक्षक पद की परीक्षा से पहले अनुराधा ने संतोष से अलग-अलग किश्तों में 12 लाख 30 हजार रुपए नकद लिए। इसके अलावा अलग-अलग बैंक खातों में भी रकम ट्रांसफर कराई गई।

राज्यपाल रमेन डेका ने गांधी जयंती पर की साफ-सफाई

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान के तहत लोक भवन परिसर के बाहर में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने लोक भवन परिसर में स्वच्छता गतिविधियों में सहभागिता करते हुए स्वयं साफ-सफाई की। लोक भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सुबह परिसर के विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने झाड़ू लगाकर कचरे को एकत्रित किया तथा उसका उचित निपटान किया। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि इसे हमें अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। स्वच्छ और सुंदर परिसर के साथ स्वच्छ समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा उपस्थित रहे।

मिनीमाता महतारी जतन योजना से नंदरानी को मिला खुद का और नवजात शिशु के पोषण आहार का सहारा

प्रसव के बाद मिले 20 हजार रुपये से दवाई, पोषण आहार संबंधी जरूरतें हुई पूरी

संवाददाता ➤ रायपुर

शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के लिए कठिन समय में आर्थिक सहारा बन रही हैं। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी मुंगेली जिले के ग्राम सोढ़ार, गांधीनगर निवासी श्रीमती नंदरानी साहू की है, जो पेशे से निर्माण श्रमिक हैं। गर्भावस्था के दौरान उन्हें चिंता थी कि प्रसव के अंतिम दिनों और प्रसव के बाद कुछ समय तक काम पर नहीं जा पाने से परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में कठिनाई हो सकती है।



ऐसे समय में छत्तीसगढ़ शासन, श्रम विभाग की मिनीमाता महतारी जतन योजना उनके लिए राहत का माध्यम बनी। प्रसव के उपरांत नंदरानी साहू ने योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन किया, जिसके बाद उन्हें एकमुश्त 20 हजार की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। यह राशि प्रसव के बाद उत्पन्न आवश्यक खर्चों को पूरा करने में उनके परिवार के लिए उपयोगी साबित हुई। इससे दवाइयों, पोषण आहार, नवजात शिशु के कपड़ों सहित अन्य जरूरी घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिली।

हितग्राही श्रीमती साहू ने बताया कि उन्होंने अपने द्वितीय प्रसव के लिए योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन किया था। शासन से प्राप्त 20 हजार रूपए की आर्थिक सहायता उनके और उनके परिवार के लिए उपयोगी रही। प्रसव के बाद जब काम पर जाना संभव नहीं था, उस समय इस आर्थिक सहयोग से परिवार की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिली। उन्होंने बताया कि योजना की राशि का उपयोग दवाई, पोषण आहार, नवजात शिशु के कपड़े तथा अन्य आवश्यक घरेलू जरूरतों को पूरा करने में किया गया। नंदरानी साहू के लिए शासन की यह सहायता प्रसव के बाद के समय में परिवार की जरूरतों को संभालने में महत्वपूर्ण सहारा बनी।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन, श्रम विभाग द्वारा संचालित मिनीमाता महतारी जतन योजना का उद्देश्य महिला श्रमिकों एवं उनके परिवारों को प्रसव के पश्चात आने वाली आवश्यकताओं को पूरा करने में आर्थिक सहायता प्रदान करना है। श्रीमती नंदरानी साहू को मिला 20 हजार का लाभ इस योजना के माध्यम से महिला श्रमिक परिवारों को मिलने वाली सहायता का उदाहरण है। श्रम पदाधिकारी मुंगेली ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में जिले में अब तक 594 महिला निर्माण श्रमिकों को प्रति प्रसव 20 हजार के मान से कुल 01 करोड़ 18 लाख 80 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। वहीं, असंगठित क्षेत्र की 261 महिला श्रमिकों को महतारी जतन योजना के तहत कुल 52 लाख 20 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

राज्यपाल श्री डेका ने गांधी जयंती पर की साफ-

राज्यपाल श्री डेका ने गांधी जयंती पर की साफ-सफाई

संवाददाता ➤ रायपुर



राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान के तहत लोक भवन परिसर के बाहर में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने लोक भवन परिसर में स्वच्छता गतिविधियों में सहभागिता करते हुए स्वयं साफ-सफाई की। लोक भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सुबह परिसर के विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने झाड़ू लगाकर कचरे को एकत्रित किया तथा उसका उचित निपटान किया।राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि इसे हमें अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। स्वच्छ और सुंदर परिसर के साथ स्वच्छ समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है।

सत्य, अहिंसा और सादगी के आदर्श हमें राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देते रहेंगे : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

किसानों के अमूल्य योगदान को रेखांकित करता है

संवाददाता ➤ रायपुर



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और मानवता के मार्ग पर चलते हुए पूरी दुनिया को शांति और सद्भाव का संदेश दिया। उनके विचारों में समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण और आत्मनिर्भर भारत की भावना निहित थी। उनका जीवन हमें सत्य के मार्ग पर अडिग रहते हुए समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री का स्मरण करते हुए कहा कि उनका सादगीपूर्ण जीवन, दृढ़ नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका दिया 'जय जवान-जय किसान' का मंत्र देश की सुरक्षा और समृद्धि में हमारे जवानों तथा किसानों के अमूल्य योगदान को रेखांकित करता है।

नई शुरुआत

तीन दिनों में 1,000 पौधे लगाने का लक्ष्य, टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारियों और ग्रामीणों ने निभाई सहभागिता

गांधी जयंती पर हरित भविष्य का संकल्प: चित्रोत्पला फिल्म सिटी में वृहद पौधारोपण

संवाददाता ➤ रायपुर

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए माना-तूता स्थित प्रस्तावित चित्रोत्पला फिल्म सिटी परिसर में वृहद पौधारोपण अभियान की शुरुआत की। तीन दिवसीय इस अभियान के अंतर्गत फिल्म सिटी परिसर में लगभग 1,000 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पौधारोपण अभियान की शुरुआत छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री सौमिल रंजन चौबे की उपस्थिति में हुई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की उप महाप्रबंधक श्रीमती पूनम शर्मा, तूता गांव के सरपंच, टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्थानीय ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रबंध संचालक श्री चौबे सहित अधिकारियों, कर्मचारियों और ग्रामीणों ने स्वयं पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संदेश दिया।

चित्रोत्पला फिल्म सिटी को आधुनिक फिल्म एवं ऑडियो-विजुअल निर्माण सुविधाओं से सुसज्जित केंद्र के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना पर काम किया जा रहा है।



इसके साथ ही परियोजना क्षेत्र में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने, हरित आवरण बढ़ाने और योजनाबद्ध तरीके से हरित क्षेत्र विकसित करने को भी फिल्म सिटी की विकास अवधारणा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है।

विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को मिलेगी प्राथमिकता

फिल्म सिटी परियोजना के विकास के दौरान आवश्यक अधोसंरचना तैयार करने के साथ परिसर के प्राकृतिक और पर्यावरणीय स्वरूप को संरक्षित एवं संवर्धित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसी उद्देश्य से चरणबद्ध रूप से पौधारोपण, लैंडस्केपिंग और हरित क्षेत्र के विस्तार की गतिविधियां संचालित की जाएंगी।टूरिज्म बोर्ड का प्रयास है कि चित्रोत्पला फिल्म सिटी भविष्य में केवल फिल्म निर्माण का आधुनिक केंद्र ही न बने, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य, हरियाली और पर्यावरणीय संवेदनशीलता के कारण भी अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करे। परिसर में विकसित होने वाला हरित क्षेत्र भविष्य में यहां आने वाले कलाकारों, फिल्म निर्माताओं, तकनीशियनों, पर्यटकों और अन्य आगंतुकों को आधुनिक सुविधाओं के साथ प्राकृतिक एवं आकर्षक वातावरण उपलब्ध कराने में सहायक होगा।

पौधारोपण के बाद संरक्षण और देखभाल पर विशेष फोकस

पौधारोपण अभियान को केवल तीन दिवसीय गतिविधि तक सीमित नहीं रखा जाएगा। लगाए गए पौधों की सुरक्षा, नियमित सिंचाई, आवश्यक रखरखाव और बेहतर सर्वाइवल सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। संबंधित अधिकारियों द्वारा समय-समय पर पौधों की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।अभियान के दौरान उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और ग्रामीणों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं उनकी नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। परिसर के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन कर भविष्य में और अधिक हरित क्षेत्र विकसित करने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया।

आधुनिक सुविधाओं के साथ हरित परिसर विकसित करना हमारा प्रयास: श्री सौमिल रंजन चौबे

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री सौमिल रंजन चौबे ने कहा कि चित्रोत्पला फिल्म सिटी का विकास आधुनिक एवं उच्चस्तरीय सुविधाओं के साथ किया जाएगा और इसके साथ पर्यावरण संरक्षण को भी पूरी प्राथमिकता दी जाएगी। विकास और पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर चलना परियोजना की कार्ययोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जहां अधोसंरचना विकास आवश्यक है, वहीं पर्यावरणीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।